Postal Regn No./C.G/RYP DN/48/2022-24 website- www.dvpnews.in रायपुर (छ.ग.) एवं झांसी (उ.प्र.) से एक साथ प्रकाशित राष्ट्रीय हिन्दी पत्र

दैनिक विश्व परिवार

● अंक : 161 ● वर्ष : 12 ● रायपुर, शनिवार 14 दिसम्बर 2024 ● पृष्ठ : 08 ● मूल्य : 3 रूपए ● संस्थापक : कीर्तिशेष- श्री कैलाश चन्द्र जैन

सुविचार

धर्म की बात करना और धर्म से बात करना इन दोनों में बहुत अंतर है।
Religion means consoling and satiating others, not of own self.
आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज

राष्ट्रीय ऊर्जा संरक्षण दिवस : प्रकृति और विकास में संतुलन से ही मानव कल्याण : मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय

रायपुर (विश्व परिवार)। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने राष्ट्रीय ऊर्जा संरक्षण दिवस पर प्रदेशवासियों से ऊर्जा संरक्षण की अपील करते हुए कहा है कि ऊर्जा संरक्षण से ही हम स्वस्थ, पर्यावरण अनुकूल और उज्ज्वल भविष्य पा सकते हैं। हमें ईंधन की खपत को कम करने और भविष्य के लिए ऊर्जा बचाने के लिए ऊर्जा संसाधनों का मितव्ययतापूर्वक उपयोग करने का प्रयास करना चाहिए। उन्होंने कहा कि प्रकृति और विकास के संतुलन में ही मानव कल्याण निहित है। ऊर्जा संरक्षण दिवस हमें याद दिलाता है कि हम अपने ऊर्जा स्त्रोतों के साथ लापरवाही नहीं बरत सकते। इसके लिए हम सभी को ऊर्जा संरक्षण के लिए प्रतिबद्ध होने की जरूरत है। उल्लेखनीय है कि ऊर्जा संरक्षण के महत्व और जलवायु परिवर्तन के बारे में लोगों में जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से हर साल 14 दिसंबर को राष्ट्रीय ऊर्जा संरक्षण दिवस मनाया जाता है।

डबल इंजन की सरकार में मिल रहा डबल फायदा : केन्द्रीय मंत्री जेपी नड्डा

केन्द्रीय मंत्री श्री नड्डा ने 1124 करोड़ रुपए के विभिन्न विकास कार्यों का किया लोकार्पण और शिलान्यास

- जो रामराज्य के मूल्य हैं, वहीं हमारे लिए सुशासन के मूल्य : मुख्यमंत्री साय
- छत्तीसगढ़ के रजत जयंती वर्ष को मनाया जाएगा अटल निर्माण वर्ष के रूप में
- 3 दिसंबर से 13 दिसंबर तक हर वर्ष मनाया जाएगा 'जनादेश परब'

रायपुर (विश्व परिवार)। देश में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी और छत्तीसगढ़ में विष्णु देव साय की नेतृत्व वाली सरकार जनता की सेवा के लिए तत्पर होकर काम कर रही है। इसी का परिणाम है कि पूरे देश और प्रदेश में उत्तरोत्तर विकास हो रहा है। डबल इंजन की सरकार होने की वजह से लोगों को डबल लाभ हो रहा है। आज भारत विश्व की पांचवी बड़ी आर्थिक शक्ति है। अगले पांच सालों में हम दुनिया की तीसरी बड़ी अर्थव्यवस्था बनकर उभरेंगे। प्रधानमंत्री के कुशल नेतृत्व में देश के 25 करोड़ लोग गरीबी से बाहर आए हैं। केन्द्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री श्री जे.पी. नड्डा ने आज रायपुर के साइंस कॉलेज ग्राउंड में आयोजित जनादेश परब कार्यक्रम में लोगों को सम्बोधित करते हुए यह बात कही। श्री नड्डा ने कार्यक्रम में 1124 करोड़ रूपए के विभिन्न विकास कार्यों का लोकार्पण और शिलान्यास किया।

केन्द्रीय मंत्री श्री नड्डा ने जनादेश परब में छत्तीसगढ़ सरकार के एक साल की उपलब्धियों का उल्लेख करते हुए कहा कि प्रदेश सरकार स्वप्रेरणा से लोकहित में पूरी जवाबदेही के साथ काम कर रही है। सरकार बनने के दूसरे ही दिन कैबिनेट की बैठक में प्रदेश के 18 लाख से अधिक जरूरतमंदों के लिए प्रधानमंत्री आवास योजना की स्वीकृति दी गई। -शेष पेज 5 पर

उत्तराखण्ड शासन

विकसित भारत, सशक्त उत्तराखण्ड

"प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के मार्गदर्शन में देवभूमि उत्तराखण्ड निरन्तर प्रगति पथ पर अग्रसर है। तीर्थाटन एवं पर्यटन की दृष्टि से लोग यहां आयें तथा पर्यटन के साथ-साथ तीर्थों के भी दर्शन कर सकें, इसके लिए राज्य सरकार द्वारा जरूरी कदम उठाये जा रहे हैं ताकि पर्यटक शीतकाल में पर्यटन के साथ तीर्थों का भी आनन्द ले सकें।"

पुष्कर सिंह धामी
मुख्यमंत्री, उत्तराखण्ड

संकल्प से सिद्धि, प्रगति संग समृद्धि
25
देवभूमि रजत उत्सव
9 नवंबर 2024-25 | उत्तराखण्ड

"21वीं सदी के विकसित भारत के निर्माण के दो प्रमुख स्तंभ हैं। पहला, अपनी विरासत पर गर्व और दूसरा, विकास के लिए हर संभव प्रयास। आज उत्तराखण्ड, इन दोनों ही स्तंभों को लगातार मजबूत कर रहा है। ये दशक उत्तराखण्ड का दशक होगा।"

नरेन्द्र मोदी
प्रधानमंत्री

देवभूमि उत्तराखण्ड
शीतकालीन यात्रा

श्री यमुनोत्री धाम का शीतकालीन प्रवास
1 यमुना मन्दिर
खरसाली (उत्तरकाशी)

यमुनोत्री चारधाम यात्रा का प्रथम पड़ाव है। यमुनोत्री मन्दिर के कपाट शीतकाल के लिए बंद होने पर मां यमुना की डोली को खरसाली लाया जाता है जो कि मां यमुना का शीतकालीन प्रवास स्थान है। शीतकालीन प्रवास के दौरान खरसाली में ही मां यमुना की पूजा की जाती है और यहीं पर यमुना जी के भाई भगवान शनिदेव जी का मन्दिर भी स्थित है।

यमुना मंदिर

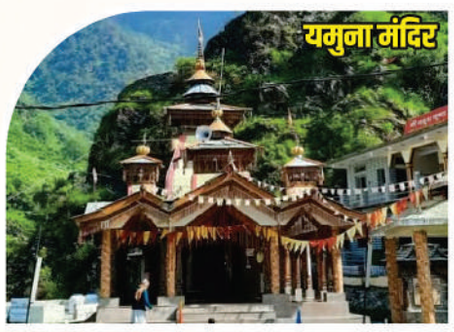

गंगा मन्दिर

ओंकारेश्वर मन्दिर

योगध्यान बदरी मन्दिर

श्री गंगोत्री धाम का शीतकालीन प्रवास
2 गंगा मन्दिर
मुखीमठ, मुखबा (उत्तरकाशी)

मुखीमठ, मुखबा स्थित मां गंगा का शीतकालीन प्रवास स्थान है। शीतकाल के दौरान गंगोत्री मन्दिर के कपाट बंद होने पर मां गंगा की मूर्ति को गंगोत्री से मुखबा लाया जाता है और शीतकाल के दौरान इसी मन्दिर में मां गंगा की पूजा की जाती है।

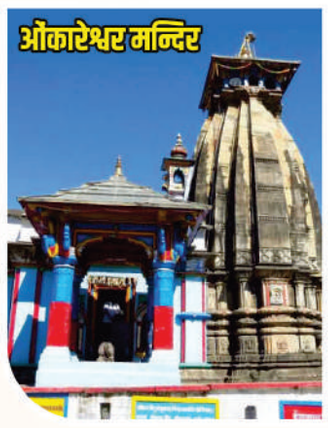

श्री केदारनाथ धाम का शीतकालीन प्रवास
3 ओंकारेश्वर मन्दिर
ऊखीमठ (रुद्रप्रयाग)

ऊखीमठ स्थित ओंकारेश्वर मन्दिर भगवान केदारनाथ का शीतकालीन प्रवास स्थान है। शीतकाल के दौरान भगवान केदारनाथ की पूजा इसी मन्दिर में की जाती है। केदारनाथ मन्दिर से मूर्तियों की उत्सव डोली को ऊखीमठ लाया जाता है और ओंकारेश्वर मन्दिर में छह महीने तक पूजा की जाती है।

श्री बदरीनाथ धाम का शीतकालीन प्रवास
4 योगध्यान बदरी मन्दिर
पांडुकेश्वर (चमोली)

शीतकाल के दौरान बदरीनाथ मन्दिर के कपाट बंद होने पर नारायण योगध्यान बदरी मन्दिर, पांडुकेश्वर (चमोली) में जनकल्याण के लिए ध्यान अवस्था में रहते हैं। पांडुकेश्वर स्थित योगध्यान बदरी मन्दिर में उद्धव जी और कुबेर जी की उत्सव डोलियों को भी लाया जाता है। आदिगुरु शंकराचार्य की डोली शीतकाल के दौरान ज्योतिर्मठ स्थित नृसिंह मन्दिर में प्रवास करती है।

सनशाईन पर्यटन
एक ओर जहां देश के बहुत से भाग कोहरे की चादर ओढ़े हैं, वहीं देवभूमि उत्तराखण्ड के पहाड़ों में खिलखिलाती धूप का आनन्द उठाया जा सकता है।

आईये! आप भी उत्तराखण्ड में आध्यात्म व पर्यटन का आनन्द उठाईये।

औली

जिम कार्बेट

जार्ज ऐवरेस्ट, मसूरी

उत्तराखण्डः एक अद्वितीय, रोमांचक और प्राकृतिक गंतव्य
इको-टूरिज्म हो या वाइल्डलाइफ टूरिज्म या रोमांचकारी अनदेखी बर्फीली चोटियां और रोमांचकारी स्कीइंग और माउंटेन बाइकिंग, पैराग्लाइडिंग और ट्रेकिंग के रोमांचकारी रास्ते, आपको यहां वह सब कुछ मिल सकता है जिसके लिए कई देशों की यात्रा करनी पड़ सकती है। उत्तराखण्ड अब हरित पर्यटन, माइंडफुल ट्रैवल, वन्यजीव यात्रा, प्राकृतिक पर्यटन के लिए जाना जाता है। बेहतर पर्यटन नीतियों और उच्च संभावनाओं को देखते हुए विगत वर्षों में राज्य में पर्यटन के क्षेत्र में बेहतर निवेश तो हुआ ही है साथ ही भविष्य में कई बड़े निवेशकों ने पर्यटन क्षेत्र में निवेश की संभावनाएं तलाशी हैं। साहसिक गतिविधियों के लिए उत्तराखण्ड उभरता हुआ पर्यटन स्थल बनता जा रहा है।

#ExploreUttarakhand
@DIPR_UK

सूचना एवं लोक सम्पर्क विभाग, उत्तराखण्ड द्वारा जनहित में जारी
www.uttarainformation.gov.in uttarakhandDIPR DIPR_UK uttarakhand DIPR

संक्षिप्त समाचार

एस.पी. शशि मोहन सिंह ने मकान मालिकों कों किरायदारों की सूची थाने में जमा करने के दिए शक्त निर्देश

15 दिन के भीतर किरायदारों की सूची जमा नहीं करने पर होगी कार्यवाही

जशपुर नगर (विश्व परिवार)। एसपी शशि मोहन सिंह ने मकान मालिकों को किरायदारों की सूची थाने में जमा करने के शक्त निर्देश दिए हैं। एस.पी ने अपराध पर अंकुश लगाने के उद्देश्य से जिले के समस्त मकान मालिकों से अपने किरायेदारों की जानकारी मांगी है। यदि मकान मालिकों द्वारा समय रहते किराया सूची जमा नहीं करने पर लोकसेवक के विधिपूर्ण आदेशों के उल्लंघन के अंतर्गत भारतीय न्याय संहिता की धारा 233 के तहत दंडनीय, पुलिस द्वारा कार्यवाही की जायेगी। गौरतलब है कि एस . पी जशपुर शशिमोहन सिंह द्वारा अपराध की रोकथाम व किराएदारों के संबंध में जानकारी के उद्देश्य से छत्तीसगढ़ पुलिस अधिनियम 2007 की धारा 34(6) में प्रदत शक्तियों का प्रयोग करते हुए जिले के समस्त मकान मालिकों को आदेशित किया है कि वे आदेश जारी के 15 दिवस के भीतर 30 दिसम्बर 2024 तक निर्धारित प्रारूप मे किरायेदारों की जानकारी अपने क्षेत्राधिकार के थाना, चौकी में जमा करें। उसके पश्चात नए किराएदारों को रखने पर किराएदारों को रखने के 15 दिवस के भीतर जानकारी अपने क्षेत्राधिकार के थाना चौकी में आवश्यक रूप से उपलब्ध कराएं।

17 एवं 19 दिसम्बर को होगी त्रिस्तरीय पंचायतीराज संस्थाओं के निर्वाचन हेतु पदों के आरक्षण की कार्यवाही

जगदलपुर (विश्व परिवार)। त्रिस्तरीय पंचायतीराज संस्थाओं के आम निर्वाचन 2024-25 हेतु जिला पंचायत सदस्य, जनपद पंचायत के अध्यक्ष एवं सदस्य की आरक्षण एवं महिलाओं के प्रवर्गवार स्थानों के आबंटन-आरक्षण की कार्यवाही 19 दिसम्बर 2024 को कलेक्टर कार्यालय के प्रेरणा सभा कक्ष में समय प्रात: 11 बजे से होगी। वहीं ग्राम पंचायतों के वार्डों के आरक्षण एवं ग्राम पंचायत के सरपंच और पंच पदों के प्रवर्गवार एवं महिलाओं के प्रवर्गवार स्थानों के आबंटन-आरक्षण की कार्यवाही 17 दिसम्बर 2024 को संबंधित जनपद पंचायत के सभाकक्ष में प्रात: 11 बजे से चक्रानुक्रम एवं लॉट के माध्यम से आरक्षण की कार्यवाही की जाएगी।

छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मंडल की संचालक मंडल बैठक हुई सम्पन्न, 'बैठक में लिए गए कई महत्वपूर्ण निर्णय'

रायपुर (विश्व परिवार)। छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मंडल की 77वीं संचालक मंडल बैठक 12 दिसम्बर 2024 को पर्यावास भवन, सेक्टर 19 में आयोजित की गई। बैठक में कई महत्वपूर्ण योजनाओं एवं विषयों पर चर्चा की गई और उन्हें स्वीकृति प्रदान की गई।

सबके लिए आवास मिशन के तहत् प्रदेश में आमजनों को आवास मुहैया कराने के उद्देश्य से अटल विहार योजना के अंतर्गत ग्राम बंधी जिला गौरेला पेन्ड्रा मरवाही में आवासीय परियोजना के लिए 135 स्वतंत्र भवनों के निर्माण हेतु कुल राशि रु. 21.02 करोड एवं सामान्य आवास योजना तालपुरी दुर्ग भिलाई में व्यवसायिक सह् आवासीय परिसर योजना में कुल 321 भवन/दुकान के लिए राशि रु. 108.60 करोड़ की प्रशासकीय स्वीकृति दी गई।

प्रधानमंत्री सह् मुख्यमंत्री आवास नवा रायपुर अटल नगर में 05 वर्ष पश्चात् भी प्रकोष्ठ भवनों का निर्माण पूर्ण नही हुआ है। संचालक मण्डल द्वारा ऐसे निर्मित किये जा रहे भवनों को यथाशीघ्र पूर्ण करने हेतु राशि रु. 88 करोड़ मण्डल निधि का उपयोग किये जाने की अनुमति प्रदान की गई जिससे हितग्राहियों को शीघ्र ही भवनों का आधिपत्य मिलेगा।

इससे पूर्व 76वीं संचालक मंडल बैठक में अटल विहार योजना अंतर्गत 7 आवासीय परियोजनाओं को स्वीकृति प्रदान की गई थी। जिसकी परियोजना लगत राशि रु 340 करोड़ एवं विभिन्न प्रकार के 1650 भवनों क निर्माण किया जाना है। हाल ही में इन योजनाओं का माननीय विभागीय मंत्री श्री ओ. पी. चौधरी जी के उपस्थिति में माननीय मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय जी द्वारा ब्रॉशर का विमोचन एवं परियोजना का शुभारंभ अपने निवास कार्यालय में किया गया। नवीन सातों योजनाओं की ऑनलाइन बुकिंग मंडल की वेबसाइट www.cghb.gov.in से की जा सकती है।

संचालक मण्डल की बैठक में श्री अंकित आनंद (आई.ए.एस.) सचिव, आवास एवं पर्यावरण विभाग एवं अध्यक्ष छ.ग. गृह निर्माण मण्डल, श्री सौरभ कुमार (आई.ए.एस.) संचालक, नगर तथा ग्राम निवेश विभाग, सुश्री शीतल शाश्वत वर्मा विशेष सचिव वित्त विभाग, श्री संतोष कोरी, मुख्य अभियंता, लोक निर्माण विभाग (प्रतिनिधि प्रमुख अभियंता) तथा श्री कुंदन कुमार (आई.ए.एस.) आयुक्त एवं सदस्य सचिव, छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मंडल मौजूद रहे।

कृषक उन्नति योजना से बदली ईश्वर साहू की जिंदगी

कृषक उन्नति योजना के तहत मिली राशि का उपयोग कर किसान ईश्वर साहू ने खरीदे कृषि उपकरण और खेत में कराया बोरवेल

बलौदाबाजार (विश्व परिवार)। जिले के ग्राम सकरी निवासी किसान किसान ईश्वर साहू ने अपनी मेहनत और लगन से खेती को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाया है। श्री ईश्वर साहू, जो अपने पिता श्री बुधु राम साहू के मार्गदर्शन में 40 एकड़ भूमि पर खेती करते हैं, ने कृषक उन्नति योजना का लाभ लेकर अपनी खेती को और भी समृद्ध बनाया।

छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा चलाई जा रही कृषक उन्नति योजना के तहत उन्हें 1 लाख 98 हजार रुपए मिली. है। इस राशि का सदुपयोग करते हुए उन्होंने आधुनिक कृषि उपकरण, जैसे रोटावेटर और डुहरू नागर, खरीदे। साथ ही, खेत में बोरवेल लगवाकर सिंचाई की व्यवस्था को और अधिक सशक्त बनाया। इन उपकरणों और सुविधाओं की मदद से उनकी खेती के कार्य अब तेजी से होने लगे हैं, जिससे उत्पादन और मुनाफा दोनों में वृद्धि हुई है। ईश्वर साहू बताते हैं कि पहले खेती के काम में अधिक समय और मेहनत लगती थी। लेकिन अब आधुनिक उपकरणों और बोरवेल की सहायता से फसल की देखभाल और सिंचाई आसान हो गई है। इससे न केवल उनकी खेती बेहतर हुई है, बल्कि समय और संसाधनों की भी बचत हुई है। कृषक उन्नति योजना का लाभ मिलने पर उन्होंने छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय का आभार व्यक्त करते हुए कहा, ष्इस योजना ने हम जैसे किसानों की जिंदगी बदल दी है। इससे हमें अपने सपनों को साकार करने का मौका मिला है।

297 पदों के लिए प्लेसमेंट कैम्प का आयोजन 16 दिसम्बर को

बलौदाबाजार (विश्व परिवार)। 2024/जिले के शिक्षित युवाओं को निजी क्षेत्र में रोजगार का अवसर प्रदान करने हेतु लाइवलीहुड कॉलेज सकरी, बलौदाबाजार में 16 दिसम्बर 2024 को निजी क्षेत्र के नियोजकों द्वारा 297 पदों के लिये प्लेसमेंट कैम्प का आयोजन किया जा रहा है। उक्त प्लेसमेन्ट कैम्प सुबह 11 बजे से 3 बजे तक आयोजित होगा। जिला रोजगार अधिकारी ने इस संबंध में जानकारी देते हुए बताया कि इस प्लेसमेन्ट कैम्प में नियोजक भारतीय जीवन बीमा निगम भाटापारा द्वारा बीमा अभिकर्ता के 20 पद, बीमा सखी (केवल महिला) के 20 पद, शैक्षणिक योग्यता 12वीं उत्तीर्ण, उम्र 18 से 70 वर्ष वेतन पदानुसार 6 हजार से 7 हजार एवं कमिशन देय होगा, कार्यक्षेत्र बलौदाबाजार, भाटापारा होगा। मिसो कोरियर ऑफिस बलौदाबाजार द्वारा मैनेजर के 1 पद, शैक्षणिक योग्यता स्नातक एवं 6 माह का अनुभव, उम्र 18 से 40 वर्ष, वेतन 12 हजार से 15 हजार तक देय होगा, कार्यक्षेत्र बलौदाबाजार होगा।

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं.-5)
ईदगाहभाठा,नवीन पानी टंकी परिसर, रायपुर
Email ID - rmczone5@gmail.com
पत्र क्रं./16595/न.पा.नि./जोन क्रं.-5/2024
रायपुर दिनांक : 13-12-2024
इश्तिहार
नामांतरण प्र.क्र. 16595
वार्ड का नाम- 41-दीनदयाल उपाध्याय वार्ड
एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि 41 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी-आई.डी.-**RPR569J00077** जो कि निगम अभिलेख में श्री/श्रीमती **D.K. DUTTA** पिता/पति, श्री/श्रीमती **A.B. DUTTA** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **PRACHI SHUKLA** पिता/पति, श्री/श्रीमती **DURGESH SHUKLA** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख**/ वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, तो प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नही की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।
सूचना जारी करे
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रं. - 5
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं.-5)
ईदगाहभाठा,नवीन पानी टंकी परिसर, रायपुर
Email ID - rmczone5@gmail.com
पत्र क्रं./16582/न.पा.नि./जोन क्रं.-5/2024
रायपुर दिनांक : 13-12-2024
इश्तिहार
नामांतरण प्र.क्र. 16582
वार्ड का नाम- 41-दीनदयाल उपाध्याय वार्ड
एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि 41 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी-आई.डी.-**RPR569D00817** जो कि निगम अभिलेख में श्री/श्रीमती **CHANDRASHEKHAR DHARAM GUDI** पिता/पति, श्री/श्रीमती **ARJUN LAL DHARAM GODI** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **NITESH YADAV** पिता/पति, श्री/श्रीमती **NARENDRA PRASAD YADAV** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख**/ वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, तो प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नही की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।
सूचना जारी करे
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रं. - 5
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं.-5)
ईदगाहभाठा,नवीन पानी टंकी परिसर, रायपुर
Email ID - rmczone5@gmail.com
पत्र क्रं./16594/न.पा.नि./जोन क्रं.-5/2024
रायपुर दिनांक : 13-12-2024
इश्तिहार
नामांतरण प्र.क्र. 16594
वार्ड का नाम- 41-दीनदयाल उपाध्याय वार्ड
एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि 41 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी-आई.डी.-**RPR569A00016** जो कि निगम अभिलेख में श्री/श्रीमती **KUNJAN KUMAR PANDEY** पिता/पति, श्री/श्रीमती **UMAKANT PANDEY** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **1. NARENDRA KUMAR JAIN S/O RAJKUMAR JAIN 2. ARUNA JAIN W/O NARENDRA KUMAR JAIN** पिता/पति, श्री/श्रीमती .... ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख**/ वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, तो प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नही की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।
सूचना जारी करे
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रं. - 5
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं.-5)
ईदगाहभाठा,नवीन पानी टंकी परिसर, रायपुर
Email ID - rmczone5@gmail.com
पत्र क्रं./16591/न.पा.नि./जोन क्रं.-5/2024
रायपुर दिनांक : 13-12-2024
इश्तिहार
नामांतरण प्र.क्र. 16591
वार्ड का नाम- 41-दीनदयाल उपाध्याय वार्ड
एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि 41 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी-आई.डी.-**RPR569E00366** जो कि निगम अभिलेख में श्री/श्रीमती **RAJESH KUMAR RAMANI** पिता/पति, श्री/श्रीमती **OMPRAKASH RAMANI** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **UTTRA PATRE** पिता/पति, श्री/श्रीमती **KIRTI KUMAR PATRE** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख**/ वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, तो प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नही की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।
सूचना जारी करे
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रं. - 5
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं.-5)
ईदगाहभाठा,नवीन पानी टंकी परिसर, रायपुर
Email ID - rmczone5@gmail.com
पत्र क्रं./16585/न.पा.नि./जोन क्रं.-5/2024
रायपुर दिनांक : 13-12-2024
इश्तिहार
नामांतरण प्र.क्र. 16585
वार्ड का नाम- 41-दीनदयाल उपाध्याय वार्ड
एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि 41 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी-आई.डी.-**RPR569E00353** जो कि निगम अभिलेख में श्री/श्रीमती **R.N. BANERJEE** पिता/पति, श्री/श्रीमती **A.B. BANERJEE** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **USHA GAUTAM** पिता/पति, श्री/श्रीमती **DAULAT RAM GAUTAM** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख**/ वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, तो प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नही की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।
सूचना जारी करे
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रं. - 5
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं.-5)
ईदगाहभाठा,नवीन पानी टंकी परिसर, रायपुर
Email ID - rmczone5@gmail.com
पत्र क्रं./16581/न.पा.नि./जोन क्रं.-5/2024
रायपुर दिनांक : 13-12-2024
इश्तिहार
नामांतरण प्र.क्र. 16581
वार्ड का नाम- 41-दीनदयाल उपाध्याय वार्ड
एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि 41 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी-आई.डी.-**RPR569D00107** जो कि निगम अभिलेख में श्री/श्रीमती **SAPNA PRITWANI** पिता/पति, श्री/श्रीमती **RAJ KUMAR PREETWANI** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **1. UMESH NIRWAN S/O LATE. JANDISH NIRWAN 2. RITESH NIRWAN S/O LATE. JANDISH NIRWAN** पिता/पति, श्री/श्रीमती .... ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख**/ वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, तो प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नही की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।
सूचना जारी करे
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रं. - 5
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं.-5)
ईदगाहभाठा,नवीन पानी टंकी परिसर, रायपुर
Email ID - rmczone5@gmail.com
पत्र क्रं./16590/न.पा.नि./जोन क्रं.-5/2024
रायपुर दिनांक : 13-12-2024
इश्तिहार
नामांतरण प्र.क्र. 16590
वार्ड का नाम- 41-दीनदयाल उपाध्याय वार्ड
एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि 41 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी-आई.डी.-**RPR569G00140** जो कि निगम अभिलेख में श्री/श्रीमती **NEHA NAMITA** पिता/पति, श्री/श्रीमती **CHANDAN KUMAR** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **SUMAN JHA** पिता/पति, श्री/श्रीमती **ASHOK KUMAR JHA** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख**/ वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, तो प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नही की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।
सूचना जारी करे
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रं. - 5
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं.-5)
ईदगाहभाठा,नवीन पानी टंकी परिसर, रायपुर
Email ID - rmczone5@gmail.com
पत्र क्रं./16493/न.पा.नि./जोन क्रं.-5/2024
रायपुर दिनांक : 13-12-2024
इश्तिहार
नामांतरण प्र.क्र. 16493
वार्ड का नाम- 41-दीनदयाल उपाध्याय वार्ड
एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि 41 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी-आई.डी.-**RPR569B00580** जो कि निगम अभिलेख में श्री/श्रीमती **SANDHYA SHARMA** पिता/पति, श्री/श्रीमती **MUKESH SHARMA** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **SANDHYA SHARMA** पिता/पति, श्री/श्रीमती **MUKESH SHARMA** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख**/ वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, तो प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नही की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।
सूचना जारी करे
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रं. - 5
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं.-5)
ईदगाहभाठा,नवीन पानी टंकी परिसर, रायपुर
Email ID - rmczone5@gmail.com
पत्र क्रं./16586/न.पा.नि./जोन क्रं.-5/2024
रायपुर दिनांक : 13-12-2024
इश्तिहार
नामांतरण प्र.क्र. 16586
वार्ड का नाम- 41-दीनदयाल उपाध्याय वार्ड
एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि 41 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी-आई.डी.-**RPR569B00239** जो कि निगम अभिलेख में श्री/श्रीमती **MUKESH SHARMA** पिता/पति, श्री/श्रीमती **MANRAKHAN SHARMA** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **1. SANDHYA SHARMA W/O MUKESH SHARMA, 2. ANMOL SHARMA S/O MUKESH SHARMA** पिता/पति, श्री/श्रीमती .... ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख**/ वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, तो प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नही की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।
सूचना जारी करे
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रं. - 5
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं.-5)
ईदगाहभाठा,नवीन पानी टंकी परिसर, रायपुर
Email ID - rmczone5@gmail.com
पत्र क्रं./16587/न.पा.नि./जोन क्रं.-5/2024
रायपुर दिनांक : 13-12-2024
इश्तिहार
नामांतरण प्र.क्र. 16587
वार्ड का नाम- 41-दीनदयाल उपाध्याय वार्ड
एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि 41 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी-आई.डी.-**RPR569A00263** जो कि निगम अभिलेख में श्री/श्रीमती **SANJAY JHANAKLAL DAHARWAL** पिता/पति, श्री/श्रीमती **JHANAKLAL DAHARWAL** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **PRATIMA PANDEY** पिता/पति, श्री/श्रीमती **RAVINDRA KUMAR PANDEY** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख**/ वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, तो प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नही की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।
सूचना जारी करे
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रं. - 5
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं.-5)
ईदगाहभाठा,नवीन पानी टंकी परिसर, रायपुर
Email ID - rmczone5@gmail.com
पत्र क्रं./16584/न.पा.नि./जोन क्रं.-5/2024
रायपुर दिनांक : 13-12-2024
इश्तिहार
नामांतरण प्र.क्र. 16584
वार्ड का नाम- 41-दीनदयाल उपाध्याय वार्ड
एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि 41 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी-आई.डी.-**RPR569I00363** जो कि निगम अभिलेख में श्री/श्रीमती **BHUBHAR LAL TIKARIYA** पिता/पति, श्री/श्रीमती **GOKUL PRASAD TIKARIYA** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **MINAKSHI TIKARIHA** पिता/पति, श्री/श्रीमती **LATE. NEMICHAND TIKARIHA** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख**/ वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, तो प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नही की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।
सूचना जारी करे
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रं. - 5
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं.-5)
ईदगाहभाठा,नवीन पानी टंकी परिसर, रायपुर
Email ID - rmczone5@gmail.com
पत्र क्रं./16596/न.पा.नि./जोन क्रं.-5/2024
रायपुर दिनांक : 13-12-2024
इश्तिहार
नामांतरण प्र.क्र. 16596
वार्ड का नाम- 41-दीनदयाल उपाध्याय वार्ड
एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि 41 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी-आई.डी.-**RPR569E00469** जो कि निगम अभिलेख में श्री/श्रीमती **RAMNARAYAN TIWARI** पिता/पति, श्री/श्रीमती **LATE. M.N. TIWARI** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **NANDITA TIWARI** पिता/पति, श्री/श्रीमती **LATE. RAMNARAYAN TIWARI** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख**/ वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, तो प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नही की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।
सूचना जारी करे
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रं. - 5
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं.-5)
ईदगाहभाठा,नवीन पानी टंकी परिसर, रायपुर
Email ID - rmczone5@gmail.com
पत्र क्रं./16580/न.पा.नि./जोन क्रं.-5/2024
रायपुर दिनांक : 13-12-2024
इश्तिहार
नामांतरण प्र.क्र. 16580
वार्ड का नाम- 41-दीनदयाल उपाध्याय वार्ड
एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि 41 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी-आई.डी.-**RPR569G00004** जो कि निगम अभिलेख में श्री/श्रीमती **SHAILENDRA SHARMA** पिता/पति, श्री/श्रीमती **CHANNU LAL SHARMA** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **JAYA JHA** पिता/पति, श्री/श्रीमती **LAL JHA** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख**/ वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, तो प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नही की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।
सूचना जारी करे
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रं. - 5
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं.-5)
ईदगाहभाठा,नवीन पानी टंकी परिसर, रायपुर
Email ID - rmczone5@gmail.com
पत्र क्रं./16588/न.पा.नि./जोन क्रं.-5/2024
रायपुर दिनांक : 13-12-2024
इश्तिहार
नामांतरण प्र.क्र. 16588
वार्ड का नाम- 41-दीनदयाल उपाध्याय वार्ड
एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि 41 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी-आई.डी.-**RPR569C00487** जो कि निगम अभिलेख में श्री/श्रीमती **KHUBCHAND VERMA** पिता/पति, श्री/श्रीमती **HARI RAM VERMA** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **HEMLAL SIRMAUR** पिता/पति, श्री/श्रीमती **SHANKAR LAL SIRMOUR** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख**/ वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, तो प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नही की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।
सूचना जारी करे
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रं. - 5
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं.-5)
ईदगाहभाठा,नवीन पानी टंकी परिसर, रायपुर
Email ID - rmczone5@gmail.com
पत्र क्रं./16589/न.पा.नि./जोन क्रं.-5/2024
रायपुर दिनांक : 13-12-2024
इश्तिहार
नामांतरण प्र.क्र. 16589
वार्ड का नाम- 41-दीनदयाल उपाध्याय वार्ड
एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि 41 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी-आई.डी.-**RPR569E00222** जो कि निगम अभिलेख में श्री/श्रीमती **ASHOK KUMAR SAHU** पिता/पति, श्री/श्रीमती **CHANDRASHEKHAR SAHU** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **HITESH UDASI** पिता/पति, श्री/श्रीमती **GURUDAS UDASI** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख**/ वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, तो प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नही की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।
सूचना जारी करे
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रं. - 5
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं.-5)
ईदगाहभाठा,नवीन पानी टंकी परिसर, रायपुर
Email ID - rmczone5@gmail.com
पत्र क्रं./16493/न.पा.नि./जोन क्रं.-5/2024
रायपुर दिनांक : 13-12-2024
इश्तिहार
नामांतरण प्र.क्र. 16493
वार्ड का नाम- 67-भक्तमाता कर्मा वार्ड
एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि 67 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी-आई.डी.-**RPR663G00084** जो कि निगम अभिलेख में श्री/श्रीमती **1. SHRI TARUN SURANA 2. SHRI RAJESH BOTHRA** पिता/पति, श्री/श्रीमती **SHRI PARASMAL SURANA, SHRI RISHABHCHAND BOTHRA** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **1. PANKAJ KUMAR AGRAWAL S/O LAJURAM AGRAWAL 2. PRIYA AGRAWAL S/O PANKAN KUMAR AGRAWAL** पिता/पति, श्री/श्रीमती .... ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख**/ वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, तो प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नही की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।
सूचना जारी करे
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रं. - 5
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं.-5)
ईदगाहभाठा,नवीन पानी टंकी परिसर, रायपुर
Email ID - rmczone5@gmail.com
पत्र क्रं./16583/न.पा.नि./जोन क्रं.-5/2024
रायपुर दिनांक : 13-12-2024
इश्तिहार
नामांतरण प्र.क्र. 16583
वार्ड का नाम- 41-दीनदयाल उपाध्याय वार्ड
एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि 41 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी-आई.डी.-**RPR569D00154** जो कि निगम अभिलेख में श्री/श्रीमती **KALPANA TIWARI** पिता/पति, श्री/श्रीमती **RAGHAVENDRA TIWARI** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **ANAND VIBHOR SHRIVASTAVA** पिता/पति, श्री/श्रीमती **A.V. SHRIVASTAVA** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख**/ वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, तो प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नही की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।
सूचना जारी करे
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रं. - 5
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं.-5)
ईदगाहभाठा,नवीन पानी टंकी परिसर, रायपुर
Email ID - rmczone5@gmail.com
पत्र क्रं./16592/न.पा.नि./जोन क्रं.-5/2024
रायपुर दिनांक : 13-12-2024
इश्तिहार
नामांतरण प्र.क्र. 16592
वार्ड का नाम- 41-दीनदयाल उपाध्याय वार्ड
एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि 41 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी-आई.डी.-**RPR569D00472** जो कि निगम अभिलेख में श्री/श्रीमती **VINOD KUMAR SHRIVASTAV** पिता/पति, श्री/श्रीमती **R.S. SHRIVASTAV** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **YOGESH KUMAR KADU** पिता/पति, श्री/श्रीमती **SUKDEV RAO KADU** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख**/ वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, तो प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नही की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।
सूचना जारी करे
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रं. - 5
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

दैनिक
विश्व परिवार

विचार-पक्ष

रायपुर शनिवार 14 दिसंबर 2024

www.dainikvishwapariwar.com
vishwapariwarraipur@gmail.com

संपादकीय

चुनाव प्रक्रिया पर गहराया संदेह.....

चुनाव प्रक्रिया पर गहराया संदेह अभी देश के सामने एक बड़ा मुद्दा है। इस पर जन जागृति लाने की आवश्यकता है। मगर आशंका यह है कि जन आंदोलन चलाने का जताया जा रहा सारा इरादा महज रस्म-अदायगी तक सीमित ना रह जाए! महाराष्ट्र में महा विकास अघाड़ी (एमवीए) ने चुनावी धांधली के मुद्दे अभियान शुरू कर दिया है। अघाड़ी के नेताओं ने चुनावी स्वच्छता के लिए मुहिम चला रहे और अनशन पर बैठे सामाजिक कार्यकर्ता बाबा आढ़व से मुलाकात कर इस सवाल पर खुद के गंभीर होने का संदेश दिया। एमवीए ने ईवीएम में हेरफर एवं अन्य मसलों को लेकर विरोध प्रदर्शन, हस्ताक्षर अभियान एवं अन्य तरीकों से आंदोलन चलाने का इरादा जताया है। वैसे संकेत है कि एमवीए का ध्यान मुख्य रूप से ईवीएम में हेरफेर की शिकायत पर केंद्रित है। वह इसी पहलू को हाल के विधानसभा चुनाव में अपनी हार का कारण मानता है। जबकि एमवीए में शामिल कांग्रेस की राष्ट्रीय कार्यसमिति ने पिछले हफ्ते चुनावी मुकाबले की परिस्थितियो को असमान बना दिए जाने से संबंधित व्यापक समस्या पर जोर दिया। कांग्रेस ने राष्ट्रीय स्तर पर इसको लेकर जन आंदोलन छेड़ने की घोषणा की। बेशक चुनाव प्रक्रिया को लेकर गहराया संदेह इस समय देश के सामने एक बड़ा मुद्दा है। इस पर जन जागृति लाने की आवश्यकता है। मगर इसके लिए जिस परिश्रम, निरंतरता और आम जन के बीच जाकर संवाद की जरूरत है, उसकी इच्छाशक्ति एमवीए, विशेष रूप से कांग्रेस में है, इसको लेकर संशय की गुंजाइशें बनी हुई हैं। आशंका है कि कहीं ये सारा इरादा विरोध जताने की रस्म-अदायगी तक सीमित ना रह जाए! वैसे एमवीए में शामिल दलों को चाहिए कि वे इस सवाल को अपनी राजनीतिक शैली की कमियों को ढकने की ढाल ना बनाएं। हकीकत यह है कि जनता से जुड़ाव और जन-मानस को आकर्षित करने के लिए जैसी राजनीतिक कटिबद्धता आवश्यक है, अभिजन वर्ग से आए इन दलों के ज्यादातर सर्वोच्च नेताओं में उसका पर्याप्त अभाव है। वे नीतिगत रूप से बिना किसी विशिष्ट पहचान और जन कल्याण का विश्वसनीय कार्यक्रम पेश किए राजनीति करने में यकीन करते दिखते हैं। इसमें भी वे सिर्फ चुनावों के वक्त सक्रिय होते हैं। जबकि उनका मुकाबला जिस भाजपा-आरएसएस इकॉसिस्टम से है, वह दिन-रात चुनावी समीकरण साधने में जुटा रहता है।

मातृभाषा से अन्य भाषा तक....

■ भारतीयता की विशिष्ट पहचान को पुनर्जीवित करना

धर्मेन्द्र प्रधान

भारतीय भाषा उत्सव, हमारी विविध भाषाई विरासत को मनाने और 11 दिसम्बर को श्रद्धेय महाकवि सुब्रमण्यम भारती की जयंती के अवसर पर 4 से 11 दिसम्बर तक मनाया जा रहा है। एक सप्ताह का उत्सव वर्तमान में सभी राज्यों और केन्द्र शासित प्रदेशों में चल रहा है। 'भाषाओं के माध्यम से एकता' इस वर्ष के समारोह का मुख्य विषय है, जो भारत की सभ्यता की विशिष्ट पहचान है। अभी कुछ महीने पहले, 3 अक्टूबर, 2024 को, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केन्द्रीय मंत्रिमंडल ने पाँच भाषाओं - मराठी, पाली, प्राकृत, असमिया और बांग्ला को शास्त्रीय भाषाओं का दर्जा देकर एक तरह का इतिहास रच दिया, इस प्रकार तमिल, संस्कृत, तेलुगु, कन्नड़, मलयालम और ओडिया जैसी पहले से मान्यता प्राप्त छह अन्य शास्त्रीय भाषाओं के दायरे का विस्तार किया। भारत की उत्कृष्ट भाषाई विरासत की गहन स्वीकृति के रूप में, यह घोषणा उन सभी लोगों के लिए अत्यंत गौरव की बात है जिनकी ये भाषाएं मातृभाषा है।

भारत की विविध भाषाएँ भारतीयता की अभिव्यक्ति हैं और ये हमारी भारतीय ज्ञान प्रणाली का अभिन्न अंग हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के अनुसार, सभी भारतीय भाषाएँ राष्ट्रीय भाषाएँ हैं और वे भारतीयता की आत्मा हैं और इसलिए सम्मान की पात्र हैं। भाषाई विविधता राष्ट्रीय एकता को मजबूत करती है और 'एक भारत श्रेष्ठ भारत' के लक्ष्य को साकार करने में मदद करती है। इसलिए, प्रत्येक व्यक्ति को भाषाई गौरव को सम्मान की निशानी के रूप में धारण करना चाहिए। प्रधानमंत्री ने वैश्विक मंच पर भी इसका उदाहरण दिया जब उन्होंने जोर देकर कहा, मैं संयुक्त राष्ट्र में भी गर्व के साथ भारत की भाषाएँ बोलता हूँ। अगर श्रोताओं को तालियाँ बजाने में थोड़ा समय लगे, तो लगे। यह कथन भारत की भाषाई विविधता को संरक्षित करने के प्रति उनकी प्रतिबद्धता को स्पष्ट करता है और भाषाई गौरव के मूल्य को उजागर करता है।

भारत एक ऐसी भूमि है जहाँ न केवल अनेक भाषाएँ हैं, बल्कि एक दूसरे का सम्मान भी करती हैं। यह एक से अधिक भाषा के उत्कृष्ट इस्तेमाल का सटीक उदाहरण है। हमारी भाषाई विविधता एक समृद्ध, जटिल ताने-बाने का निर्माण करती है, जो हमारी राष्ट्रीय पहचान को एक साथ बुनती है और साथ ही देश की एकता को विविधता के बीच पोषित करती है। औपनिवेशिक शासन के दौरान इस सांस्कृतिक शक्ति को भारी नुकसान उठाना पड़ा। 2 फरवरी 1835 को, थॉमस बैबिंगटन मैकाले ने भारत के तत्कालीन गवर्नर जनरल को एक ज्ञापन प्रस्तुत किया, जिसे मैकालेज मिनट ऑन इंडियन एजुकेशन के रूप में जाना जाता है, जिसमें देशी भाषाओं पर अंग्रेजी को प्राथमिकता दी गई थी, जिसका उद्देश्य ब्रिटिश हितों के प्रति वफादार भारतीयों का एक वर्ग बनाना था, जो पीढ़ियों को उनकी सांस्कृतिक और भाषाई जड़ों से अलग कर रहा था। तब से, उपनिवेशवाद का दीर्घकालिक प्रभाव काफी लंबे समय तक रहा, जिसने हमारे सांस्कृतिक और भाषाई गौरव को गंभीर चोट पहुंचाई है।

भारत में भाषाई जनसांख्यिकी समृद्ध और विविध है, जिसमें से अस्सी प्रतिशत आबादी खुद को गैर-अंग्रेजी, मूल भाषा बोलने वालों के रूप में पहचानती है। गहन शिक्षा के मूल में मातृभाषा है। हमारी भाषाएं केवल संचार के उपकरण नहीं हैं - वे इतिहास, परंपराओं और लोककथाओं के भंडार हैं, जो पीढ़ियों के सामूहिक ज्ञान को संरक्षित करती हैं और एक अद्वितीय विश्वदृष्टि प्रदान करती हैं। रचनात्मकता और भावनात्मक बुद्धिमत्ता से भरपूर बच्चे तब फलते-फूलते हैं जब उनकी शिक्षा उनकी मूल भाषा में शुरू होती है। अपनी मातृभाषा में एक प्राइमर घर से कक्षा तक एक निर्बाध पुल का निर्माण करता है, उन्हें 'मातृ' भाषा से 'अन्य' भाषा तक का मार्गदर्शन - बोलने से लेखन, शब्दावली से शब्दार्थ और भाषा से विषय की समझ में परिवर्तन करता है। जैसा कि रवींद्रनाथ टैगोर ने मार्मिक रूप से कहा था, एक बच्चा पाठ्यपुस्तकों से नहीं, बल्कि अपनी माँ से बोलना सीखता है। मातृभाषा में शिक्षा बुनियादी समझ से लेकर जटिल विचार तक स्वाभाविक प्रगति को बढ़ावा देती है।

भारत की भाषाई विविधता बौद्धिक और सांस्कृतिक संपदा का खजाना है। कश्मीर की बर्फ से ढकी चोटियों से लेकर कन्याकुमारी के धूप से सराबोर तटों तक और कच्छ के बंजर विस्तार से लेकर कोहिमा की हरी-भरी पहाड़ियों तक, हमारी भाषाएँ हमारे लोगों को अंदर से जोड़ती हैं। बच्चों को उनकी मातृभाषा में पढ़ाना न केवल उनकी विरासत से जुड़ाव को बनाए रखता है बल्कि उन्हें भविष्य के लिए तैयार भी करता है। मातृभाषा में एक मजबूत नींव रखकर, हम बच्चों को अधिक आसानी और समझ के साथ अन्य भाषाओं और विषयों में महारत हासिल करने के लिए सशक्त बना सकते हैं। राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 ने इस दृष्टिकोण को पूरी तरह अपनाया है। अपनी भाषाई विरासत को पुन: प्राप्त करने की कोशिश करते हुए, एनईपी ने मातृभाषा को प्रारंभिक शिक्षा के केन्द्र में रखा है, यह स्वीकार करते हुए कि भाषा केवल सीखने का एक साधन नहीं है, बल्कि पहचान को आकार देने, आत्मविश्वास का निर्माण करने और संज्ञानात्मक विकास को बढ़ावा देने का एक मुख्य घटक है।एनईपी 2020 बेहतर शिक्षण परिणामों के लिए विभिन्न भारतीय भाषाओं में उच्च गुणवत्ता वाली शिक्षण और अध्ययन सामग्री तक समान पहुंच को आवश्यक बनाता है। यह शिक्षा के साथ प्रौद्योगिकी, विशेष रूप से देश की विविध भाषाई विरासत को संरक्षित करने और बढ़ावा देने के संदर्भ में, संयोजन पर विशेष जोर देता है। राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद के भाषा संगम कार्यक्रम और मशीन अनुवाद केन्द्र से लेकर अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद द्वारा कई भारतीय भाषाओं में तकनीकी पुस्तकों सहित पुस्तकों के अनुवाद ऐप आधारित अनुवाद से लेकर विश्वविद्यालय अनुदान आयोग और भारतीय भाषा समिति द्वारा अस्मिता - अनुवाद और अकादमिक लेखन के माध्यम से भारतीय भाषाओं में अध्ययन सामग्री का संवर्धन - पहल तक, शिक्षा को समावेशी बनाने के लिए भारतीय भाषाओं को बढ़ावा देने के लिए एक मजबूत इकोसिस्टम बनाने के लिए अच्छी तरह से प्रयास किए गए हैं। इसके अलावा, 79 भारतीय भाषाओं में प्राइमर तैयार करने की सरकार की अभूतपूर्व पहल एक महत्वपूर्ण कदम है, जो यह सुनिश्चित करता है कि ग्रामीण, आदिवासी और दूरदराज के इलाकों में शुरुआती वर्षों के दौरान बच्चों को उनकी मातृभाषा में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा मिले। ये प्राइमर, अन्य शैक्षिक सामग्रियों के साथ, सिर्फ़ संसाधन से कहीं ज़्यादा हैं - ये रचनात्मकता, आलोचनात्मक सोच और आजीवन सीखने के प्रवेश द्वार हैं। भाषा हमारे विचारों को आकार देती है, हमारी भावनाओं को व्यक्त करती है और हमें हमारी सांस्कृतिक जड़ों से जोड़ती है। एनईपी 2020 एक नए युग की शुरुआत है, जहाँ बच्चे अपनी मातृभाषा में सीख सकते हैं और धीरे-धीरे अन्य भाषाओं में महारत हासिल कर सकते हैं। अपनी शिक्षा प्रणाली को उपनिवेशवाद से मुक्त करके, हम विचारकों की एक ऐसी पीढ़ी का पोषण करना चाहते हैं जो न केवल अकादमिक रूप से उत्कृष्ट प्रदर्शन करे बल्कि भारत की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को भी आगे बढ़ाए। यह परिवर्तन केवल एक नीतिगत बदलाव नहीं है - यह एक सांस्कृतिक पुनर्जागरण का प्रतिनिधित्व करता है। जब हम भविष्य की ओर देखेंगे, शैक्षिक उत्कृष्टता और सामाजिक-सांस्कृतिक और आर्थिक उन्नति भारत की भाषाई विविधता का आधार होगी। इस अमृत काल में, जब हम विकासशील भारत के एजेंडे पर काम कर रहे हैं, हमारी मातृभाषाएँ विकास के शक्तिशाली साधन बनने के लिए तैयार हैं। आइए हम अपनी भाषाई विरासत को अपनी प्रगति का आधार बनाएँ, क्योंकि भारत वैश्विक मंच पर आगे बढ़ रहा है।

आलेख

प्रदेश में नक्सल समस्या को समाप्त करने प्रतिबद्ध

देवदत्त दुबे

प्रदेश में नक्सली समस्या के समाधान के लिए मध्यप्रदेश पुलिस ने एक मजबूत टीम बनाई है। कसौटी पर हमेशा खरे उतरने वाले वर्तमान में विशेष पुलिस महानिदेशक एसटीएफ पंकज श्रीवास्तव को एंटी नक्सल अभियान की कमान सौंपी गई है। दरअसल, प्रदेश में पुलिस की नये मुखिया के पद पर कैलाश मकवाना के पहुंचने के बाद विभाग में हमेशा कसौटी पर खरे उतरने वाले अधिकारियों को महत्वपूर्ण जिम्मेवारी सौंपी जा रही है। रविवार को नक्सल समस्या को लेकर एक महत्वपूर्ण बैठक हुई। बैठक के कुछ घंटे बाद ही मध्य प्रदेश में स्पेशल डीजे रैंक के अफसर पंकज श्रीवास्तव को नक्सल ऑपरेशन की कमान सौंपी गई। हालांकि नक्सल ऑपरेशन से जुड़े रहे। आईपीएस अफसर आदर्श कटिहार डीसी सागर के साथ-साथ कुछ ऐसे नाम भी आए जिन्हें वीरता के पदक से नवाजा गया हो लेकिन बैठक में सबसे विश्वसनीय नाम पंकज श्रीवास्तव का आया जो कि पिछले वर्षों से प्रति नियुक्ति पर सीबीआई में कोलकाता और दिल्ली में रहे हैं जहां चिटफंड कोयला स्कैम जैसे गंभीर अपराधों पर महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। वहीं पिछले वर्ष प्रदेश में लौटने पर उन्हें एसटीएफ के अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक का प्रभार मिला। यहां भी प्रभार मिलते ही उन्होंने वर्षों से पेंडिंग पड़ी उन फाइलों को खंगाल डाला जो कि जो कि समय-समय पर बेवजह परेशानी का कारण बनती थी। मसलन टाइपिंग परीक्षा में गड़बडियों की आशंका के तहत लगभग 3 000 हजार आरोपी एसटीएफ ने बनाए थे और उन्हें समय-समय पर मुख्यालय बुलाया जाता था, नोटिस जारी किए जाते थे, जिसमें छात्र-छात्राएं ऐसे भी थे, जो या तो कहीं सर्विस करने लगे या कॉम्पिटेटिव एक्जाम की तैयारी कर रहे हैं। बार-बार डिस्टर्ब होते थे पंकज श्रीवास्तव ने पूरी जांच करवाई और जिन विद्यार्थियों ने टाइपिंग परीक्षा की मार्कशीट का कहीं उपयोग किया है तो उन्हें चिन्हित कराया। हमेशा से बोल्ड डिसीजन लेने वाले पंकज श्रीवास्तव को एंटी नक्सल अभियान की विंग का प्रमुख बनाए जाने से विभाग को उम्मीद है कि प्रदेश में नक्सलियों पर नकेल कसने में पुलिस कामयाब होगी। प्रदेश ही नहीं केंद्र सरकार भी 2026 तक नक्सलवाद का खात्मा करना चाहती है। इसके लिए केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह नक्सलवाद प्रदेशों में जाकर बैठक करते हैं और दिल्ली में भी मुख्यमंत्री राज्यों के गृहमंत्री और पुलिस प्रमुखों की बैठक कर लगातार मॉनीटरिंग कर रहे हैं।कुल मिलाकर प्रदेश और केंद्र सरकार नक्सलवाद को समाप्त करने के लिए जिस तरह से प्रतिबद्ध है और उसे टारगेट को पूरा करने के लिए विभिन्न राज्यों में ईमानदार और कर्मठ अफसर को कमान सौंपी जा रही है। वहीं पिछले वर्ष प्रदेश में लौटने पर उन्हें एसटीएफ के अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक का प्रभार मिला। यहां भी प्रभार मिलते ही उन्होंने वर्षों से पेंडिंग पड़ी उन फाइलों को खंगाल डाला जो कि जो कि समय-समय पर बेवजह परेशानी का कारण बनती थी। मसलन टाइपिंग परीक्षा में गड़बडियों की आशंका के तहत लगभग 3 000 हजार आरोपी एसटीएफ ने बनाए थे और उन्हें समय-समय पर मुख्यालय बुलाया जाता था, नोटिस जारी किए जाते थे, जिसमें छात्र-छात्राएं ऐसे भी थे, जो या तो कहीं सर्विस करने लगे या कॉम्पिटेटिव एक्जाम की तैयारी कर रहे हैं। उससे उम्मीद की जा सकती है कि प्रदेश में नक्सलवाद पर लगाम लगाने मध्यप्रदेश पुलिस कामयाबी मिलेगी। मध्यप्रदेश में बालाघाट, मंडला और डिंडोरी जिला नक्सल प्रभावित माने जाते हैं। एंटी नक्सल अभियान टीम में पंकज श्रीवास्तव के साथ ङ्क साथ आईपीएस अधिकारी आदर्श कांत शुक्ला, एसडीपी बामोर को प्रभारी अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक एंटी नक्सल ऑपरेशन बालाघाट पदस्थ किया गया है।

कांग्रेस को पुनर्जीवित नहीं कर पा रहे हैं राहुल

अजीत द्विवेदी

इस साल की शुरुआत में विपक्षी गठबंधन %इंडिया' की एक बैठक में जब अध्यक्ष पद के लिए बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार का नाम आगे आया तो उनको राहुल गांधी ने यह कह कर रोका था कि इसके लिए तो ममता बनर्जी से बात करनी होगी। विडम्बना देखिए कि थोड़े समय के बाद नीतीश कुमार और ममता बनर्जी दोनों %इंडिया' ब्लॉक से बाहर हो गए और अब ममता बनर्जी ही अध्यक्ष पद की दावेदार हो गई हैं! समय का चक्र इतनी तेजी से घूमा है कि कांग्रेस के नेता समझ नहीं पा रहे हैं कि वे इस स्थिति का सामना कैसे करें। महज छह महीने पहले चार जून को जब लोकसभा के नतीजे आए तो कांग्रेस और राहुल गांधी की जय जयकार हो रही थी। परंतु उसके बाद चार राज्यों के विधानसभा चुनाव ने सारी तस्वीर बदल दी। जम्मू कश्मीर, हरियाणा और महाराष्ट्र की हार ने कांग्रेस को बैकफुट पर ला दिया। भारत जोड़ो यात्रा से राहुल गांधी के विपक्ष का सर्वमान्य नेता होने की जो धारणा बनी थी वह सवालों के घेरे में आ गई है। एक के बाद एक विपक्षी पार्टियां राहुल के नेतृत्व पर सवाल उठा रही हैं। इसमें सबसे दिलचस्प टिप्पणी समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव रामगोपाल यादव की थी। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी विपक्षी गठबंधन %इंडिया' के नेता नहीं हैं। इंडिया' के नेता मल्लिकार्जुन खडगे हैं। पर सवाल है कि खडगे कब नेता चुने गए? इस साल लोकसभा चुनाव से पहले 13 जनवरी को विपक्षी गठबंधन इंडिया' की जो आखिरी बैठक हुई थी वह वर्चुअल थी और उसमें खडगे को अध्यक्ष बनाने पर सहमति बनी थी। लेकिन उसके बाद कभी इस बात की आधिकारिक घोषणा नहीं की गई कि खडगे विपक्षी गठबंधन के अध्यक्ष हैं। 13 जनवरी की बैठक में सिर्फ नौ पार्टियों के नेता शामिल हुए थे। समाजवादी पार्टी के प्रमुख अखिलेश यादव को खुद खडगे ने न्योता दिया था लेकिन वे उस बैठक में शामिल नहीं हुए थे। सो, जाहिर है कि खडगे अनौपचारिक रूप से भले इंडिया' ब्लॉक का नेतृत्व करते हों लेकिन उनको नेता कभी नहीं घोषित किया गया। फिर सवाल है कि रामगोपाल यादव ने क्यों कहा कि राहुल नेता नहीं हैं और खडगे नेता हैं? इसलिए कहा क्योंकि चाहे समाजवादी पार्टी हो या तृणमूल कांग्रेस हो, उनको राहुल गांधी से समस्या है। यह समस्या रामगोपाल यादव की आगे कही बातों से जाहिर हो गई। उन्होंने कहा कि चाहे लोकसभा का चुनाव हो या विधानसभा का, कांग्रेस कहीं भी अच्छा प्रदर्शन नहीं कर रही है। उन्होंने भाजपा के साथ आमने सामने के मुकाबले में कांग्रेस की कमजोरी का खासतौर से जिक्र किया। यह भी याद रखने की बात है कि पिछले साल दिसंबर में ममता बनर्जी ने मल्लिकार्जुन खडगे का नाम प्रधानमंत्री पद के लिए प्रस्तावित किया था। तभी यह अनायास नहीं है कि आज खडगे को रामगोपाल यादव इंडिया' ब्लॉक का नेता बता रहे हैं। बहरहाल, राहुल गांधी के नेतृत्व पर जो सवाल उठ रहे हैं उसके दो पहलू हैं। एक पहलू यह है कि वे कांग्रेस में जोश नहीं भर पा रहे हैं। कांग्रेस को पुनर्जीवित नहीं कर पा रहे हैं। कांग्रेस को रिइन्वेंट करके भाजपा से लडने लायक नहीं बना पा रहे हैं। वे वैचारिक और सैद्धांतिक धरातल पर तो भाजपा को टक्कर दे रहे हैं लेकिन जमीनी राजनीति और चुनाव में भाजपा का मुकाबला नहीं कर पा रहे हैं। सो, विपक्षी पार्टियां और कांग्रेस नेताओं का भी एक बड़ा हिस्सा मान रहा है कि राहुल गांधी से नहीं हो पाएगा। अपनी तमाम अच्छाइयों के बावजूद वे न तो कांग्रेस को भाजपा से लडने लायक बना सकते हैं और न उनकी कमान में विपक्षी गठबंधन भाजपा को प्रभावी रूप से टक्कर दे पाएगा। तभी विपक्षी पार्टियां चाहती हैं कि इंडिया' ब्लॉक बना रहे लेकिन उसकी कमान किसी और नेता के हाथ में रहे। यह बात इंडिया' ब्लॉक में शामिल रामगोपाल यादव भी चाहते हैं और उससे बाहर रह कर राजनीति कर रही ममता बनर्जी भी चाहती हैं। इन सभी नेताओं को पता है कि भाजपा से लडने के लिए एक बड़े गठबंधन की जरुरत है, जिसमें कांग्रेस का होना भी जरूरी है। परंतु साथ ही ये नेता यह भी चाहते हैं कि कोई ज्यादा परिपक्व और चुनावी राजनीति में भाजपा को परास्त करने वाला नेता इस गठबंधन का नेतृत्व करे। इस सचाई को समझना होगा कि सारी विपक्षी पार्टियां सत्ता चाहती हैं और केंद्रीय एजेंसियों की कार्रवाई से मुक्ति चाहती हैं। वह तभी होगा, जब केंद्र में उनकी सरकार बनेगी। उनको लग रहा है कि राहुल गांधी के हाथ में कांग्रेस और विपक्षी गठबंधन की कमान रही तो ऐसा नहीं हो पाएगा। राहुल के नेतृत्व पर उठ रहे सवालों का दूसरा पहलू यह है कि कई विपक्षी पार्टियां राहुल गांधी के साथ काम करने में असहज हैं। उनको लग रहा है कि राहुल व्यावहारिक राजनीति करने में सक्षम नहीं हैं। वे आदर्शवादी बातें ज्यादा करते हैं और व्यावहारिक राजनीति के दांवपेंच उन्होंने अभी तक नहीं सीखे हैं। विपक्षी पार्टियों और कांग्रेस के भी अनेक नेताओं व प्रादेशिक क्षत्रपों को राहुल गांधी की टीम के साथ काम करने में मुश्किल आती है। उनकी टीम के ज्यादातर सदस्य अराजनीतिक पृष्ठभूमि वाले हैं। राहुल गांधी ने कांग्रेस संगठन का महासचिव केसी वेणुगोपाल को बनाया है, जिनको देश के ज्यादातर राज्यों की जमीनी राजनीति की समझ नहीं है। हरियाणा और महाराष्ट्र में कांग्रेस की हार के मुख्य कारणों में एक कारण केसी वेणुगोपाल भी हैं। हालांकि इस कारण की समीक्षा कभी नहीं होगी। वे खुद को इतना असुरक्षित महसूस करते हैं कि राहुल के आसपास किसी को फटकने नहीं देते। हर समय राहुल को घेरे रहते हैं। उनकी सहमति के बगैर राहुल से मिलना या बात करना नामुमकिन सा हो गया है। तभी जैसे ही ममता बनर्जी ने कहा कि उन्होंने इंडिया' का गठन किया है और मौका मिले तो इसका नेतृत्व करना चाहेंगी, वैसे ही महाराष्ट्र से लेकर बिहार और उत्तर प्रदेश तक कांग्रेस की सहयोगी पार्टियों ने उनका स्वागत करना शुरू कर दिया।

देश-विदेश में प्रासंगिक श्रीमद्भगवद गीता

प्रताप सिंह पटियाल

आधुनिक जीवनशैली की नैतिक उलझनों का निराकरण भगवदगीता में समाहित है। अनुशासन, निडरता व स्वाभिमान से जीवन जीने को प्रोत्साहन प्रदान करने वाला दार्शनिक ग्रंथ भगवदगीता इसीलिए विश्व में प्रेरणा व मार्गदर्शक बना है। देश के हुक्मरानों को गीता के उपदेश का अनुपालन करना होगा श्रीकृष्ण तथा सर्वश्रेष्ठ धनुर्धर अर्जुन का कुरुक्षेत्र की रणभूमि पर संवाद श्रीमद्भगवदगीता वैश्विक स्तर पर प्रेरणा बन चुका है। करोड़ों लोग भगवदगीता के प्रति सम्मान भाव रखते हैं। सबसे ताकतवर मुल्कों में शुमार अमेरिका की 'नेशनल इंटेलीजैंस एजेंसी' की प्रमुख 'तुलसी गबार्ड' ने सन् 2016 में अमेरिकी प्रतिनिधि सभा में सांसद पद की शपथ गीता पर हाथ रखकर ली थी। अमेरिका की नेशनल गार्ड यूनिट में लेफ्टिनेंट कर्नल के पद पर तुलसी गबार्ड इराक व कुवैत जैसे देशों में सैन्य मिशन का हिस्सा रह चुकी हैं। ब्रिटेन की संसद 'हाउस ऑफ कॉमन्स' में कश्मीरी पंडितों के पलायन तथा वर्तमान में बांग्लादेशी हिंदुओं की आवाज बुलंद करने वाले ब्रिटिश सांसद 'बॉब ब्लैकमैन' 'पद्मश्री' ने सन् 2020 में सांसद पद की शपथ गीता पर हाथ रखकर ली थी। बॉब ब्लैकमैन ने ही कश्मीर पलायन को नरसंहार की श्रेणी में रखने की मांग की थी। 'ऋषि सुनक' ने हाउस ऑफकॉमन्स में ब्रिटिश प्रधानमंत्री पद की शपथ गीता पर हाथ रखकर ली थी। ऋषि सुनक के अनुसार तनावपूर्ण हालात में गीता कर्त्तव्य पथ पर अडिग रहने का ज्ञान प्रदान करती है। आस्ट्रेलिया के भारतवंशी सांसद 'डेनियल मुखे' ने सन् 2015 में तथा वर्ल्ड बैंक के पूर्व सलाहकार बैरिस्टर 'वरुण घोष' ने इसी वर्ष आस्ट्रेलिया की संसद में सीनेटर पद की शपथ गीता पर हाथ रखकर ग्रहण की थी। अमेरिका के मैरीलैंड राज्य की गर्वनर 'अरुणा मिलर' तथा ब्रिटेन की सांसद 'शिवानी राजा' व 'कनिष्क नारायण' जैसे भगवद्गीता को साक्षी मानकर शपथ लेने वाले भारतीय मूल के विश्व में कई नेता हैं। अमेरिका की 'सुनीता विलियम्स' व हालीवुड अदाकार 'बिल स्मिथ' जैसे विदेशी लोग गीता को प्रेरणा मानते हैं। मशहूर वैज्ञानिक 'होमी जहांगीर भाभा' भी गीता को प्रेरणास्रोत ग्रंथ मानते थे। ओपेनहाइमर ने विज्ञान के कई रहस्यों को समझने में भगवदगीता से प्रेरणा ली थी। परमाणु परीक्षण के बाद ओपेनहाइमर को श्रीकृष्ण का विराट रूप याद आया था। भगवदगीता का अनुवाद कई भाषाओं में हो चुका है। मगर भारतीय लोकतांत्रिक व्यवस्था में धर्म निरपेक्षता की चिल्मन तथा वोट बैंक की सियासत के चलते ज्ञान का सागर भगवदगीता तथा वैदिक साहित्य उपेक्षित हो चुके हैं। देश में कई संस्थाओं, शिक्षण संस्थानों, सुरक्षा एजेंसियों, सर्वोच्च न्यायलय, भारतीय संसद व सेना के आदर्श वाक्य भगवदगीता, रामायण, महाभारत व उपनिषदों से लिए गए हैं। रामायण व महाभारत जैसे महाकाव्यों पर फिल्में व सीरियल बनाकर बालीवुड के अदाकार करोड़ों रुपए कमा लेते हैं। धार्मिक मुद्दों को आधार बनाकर सियासी रहनुमां लोकतंत्र के शीर्ष पर विराजमान हो जाते हैं। चंद्रवंशी व सूर्यवंशी क्षत्रियों की शौर्यगाथाओं का गुणगान करके तथाकथित धर्माचार्य करोड़ों रुपए कमा रहे हैं। धर्म के

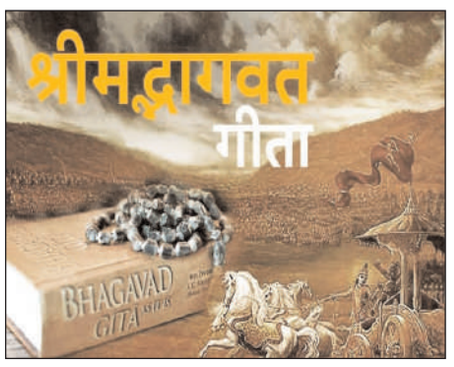

नाम पर टीवी चैनलों की भरमार है। लेकिन धर्मक्षेत्र कुरुक्षेत्र की रणभूमि पर श्रीकृष्ण का प्रेरणादायक उपदेश भगवदगीता व अन्य धर्मग्रंथों का ज्ञान शिक्षा पाठ्यक्रम का हिस्सा नहीं बना। खेलों में विशेष योगदान के लिए 'द्रोर्णाचार्य अवार्ड' प्रदान किए जाते हैं, परंतु गुरु द्रोर्णाचार्य की 'चक्रव्यूह' जैसी युद्ध संरचनाओं पर कभी शोध नहीं हुआ। भारतीय सेना के कई टैंकों, मिसाइलों व हथियारों के नाम रामायण व महाभारत काल के महान् योद्धाओं तथा उनके अचूक मारक क्षमता वाले अस्त्र-शस्त्रों के नाम से जाने जाते हैं, मगर पाशुपातास्त्र, ब्रह्मास्त्र, नारायणास्त्र, आग्नेयास्त्र व गरुड़ास्त्र जैसे पूरी कायनात का संतुलन बिगाडने वाले विध्वंसक दिव्यास्त्रों की मारक क्षमता पर गहन अध्ययन नहीं हुआ। अर्जुन, अश्वथामा, बर्बरीक, कर्ण व अभिमन्यु जैसे महापराक्रमी योद्धाओं के शौर्य पराक्रम पर विवेचना नहीं हुई। गंगापुत्र भीष्म, भगदत्त व बाहलीक जैसे महाभारत युद्ध के वयोवृद्ध योद्धाओं की शक्ति व अदम्य साहस पर विश्लेषण नहीं हुआ। देश में महिला सशक्तिकरण की वकालत जोर-शोर से होती है, लेकिन प्राचीन गांधार जनपद की राजकुमारी तथा कौरवों की माता 'गांधारी' जैसी सशक्त महिला के मजबूत जज्बातों को समझने की कोशिश नहीं की जाती। महाभारत युद्ध में अपने निन्यानवें पुत्रों की वीरगति के बाद गांधारी ने ज्येष्ठ पुत्र दुर्योधन को पांडवों के समक्ष संधि-समझौता, युद्ध विराम या आत्मसर्मपण करने की सलाह नहीं दी, बल्कि परम शिव भक्त गांधारी ने अपने तपोबल व निगाहों के तेज से दुर्योधन को वज्र बनाकर युद्धभूमि में जाने के लिए प्रेरित करके क्षत्रिय धर्म का पालन किया था। यदि वर्तमान में युवा पीढ़ी अपनी संस्कृति व संस्कारों से विमुख होकर बॉलीवुड के अदाकारों को अपना आदर्श मान रही है, छात्र वर्ग महत्वाकांक्षाओं के बोझ में भ्रमित होकर अपने जीवन का लक्ष्य भूलकर आत्महत्या जैसा आत्मघाती कदम उठा रहे हैं, तो स्वीकार करना होगा कि भारतीय समाज शाश्वत ज्ञान से भरपूर भगवदगीता जैसे वन्दनीय ग्रंथ के ज्ञान से महरूम रहकर भौतिकतावादी जीवनशैली व पश्चिमी तहजीब का गुलाम बन चुका है। श्रीकृष्ण द्वारा अर्जुन को माध्यम बनाकर दिया गया गीता का ज्ञान समस्त विश्व के लिए सार्थक व उपयोगी सिद्ध हुआ है। कर्म-धर्म व कर्त्तव्य मार्ग पर चलने का उपदेश देने वाली गीता में जीवन जीने की कला का ज्ञान भी मौजूद है। गीता का उपदेश है कि जीवन में संघर्षरत होकर चुनौतियों का सामना करने से ही सफलता प्राप्त होती है।

दैनिक
विश्व परिवार
रायपुर/धर्म समाज/देश
रायपुर, शनिवार 14 दिसम्बर 2024
www.dainikvishwapariwar.com
vishwapariwarraipur@gmail.com

जैसा समाधिस्त आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज को कुंडलपुर में स्थित बड़े बाबा की प्रतिमा देखकर महसूस होता था, वैसा ही आज हमको तूमैंन में बैठा देव आदिनाथ स्वामी को देखकर महसूस हो रहा है : श्रुतसंवेगी श्रमण श्री आदित्यसागर जी महाराज

तूमैंन/मप्र (विश्व परिवार)। जयदु जिणिंदो महावीरों। श्री विशुद्धकुल गौरव, आध्यात्मिक महाद्युति, श्रुतसंवेगी श्रमण श्री 108 आदित्यसागर जी, श्रुतप्रिय श्रमण श्री 108 अप्रमितसागर जी महाराज, अशोकनगर गौरव सहजानंदी श्रमण श्री 108 सहजसागर जी महाराज एवं क्षुल्लक श्री 105 श्रेयससागर जी महाराज तूमैंन में विराजमान है। मुनीत्रय की चरण धूलि से पावन हो रही है, तूमैंन की वसुधा। नित्यम आदित्यम आनंदम।

श्रुतसंवेगी श्रमण श्री आदित्यसागर महाराज जी ने धर्मसभा को संबोधित करते हुए कहा कि मनुष्य को जीवन में रत्नत्रय यानी मुनि बनने की चाह एवं लगन तो रखनी ही चाहिए। तब ही सफलता मिल सकेगी।

जीवन में सफल होने के लिए मुनि श्री आदित्य सागर जी ने सूत्र बताते हुए कहा कि, जीवन में अनुशासन के साथ साथ साहस भी अति आवश्यक जरूरी होता है। साथ ही सहिष्णुता सहनशक्ति भी होनी चाहिए। अनुकूलता नही, कष्ट भी सहना पड़े तो भी हमको अपने मार्ग पर सदैव अग्रसर रहना चाहिए। दृढ़ता के साथ योजनाएं बदली जा सकती हैं, लेकिन लक्ष्य नहीं। बुद्धि, उत्साह के साथ साथ अनुभव का साथ और मिल जाए तो कार्य की सिद्धि अच्छे से हो जाती है। अनुभवी लोगों को साथ मे रखे, क्योंकि अनुभवी लोगों को साथ में रखने से बड़े से बड़े आयोजन सफल होते देखे गए हैं। कभी वो विफल नहीं होंगे। क्योंकि उनके पास आपसे ज्यादा तजुर्बा है, व्यवहार कुशल होना भी सफल व्यक्ति की निशानी है। व्यवहार कुशल व्यक्ति राजनीति सहित किसी भी दिशा मे हो वे अक्सर सफल होते है। हमेशा अपना कार्य समझदारी के साथ करें, जो की सफलता की गारंटी होती है। जिम्मेदारी ईमानदारी जैसे लक्ष्य बेहद जरूरी है, जो की सफलता के लिहाज से बेहद जरूरी होते हैं। अपनी नैतिक जिम्मेदारियों का ख्याल अवश्य रखना चाहिए।

श्रुतसंवेगी श्रमण आदित्य सागर जी ने कहा कि अशोकनगर के लोग बहुत ही धार्मिक हैं। साधु संतों की सेवा में कोई कसर नहीं छोड़ते। हमें भी यहां बहुत आनंद आया। तूमैंन में जंहा तीन दिवसीय श्रीमद भक्तांबर महा मंडल विधान का आयोजन किया है। इस आयोजन में भी बहुत आनंद आने वाला है। उपस्थित जन समुदाय से कहा कि आप लोग जरूर हिस्सा लें। तूमैंन स्थित बैठा देव आदिनाथ भगवान मंदिर जी प्रांगण में तीन दिवसीय भक्तांबर विधान होने जा रहा है जो तीन दिन 13 दिसंबर से 15 दिसंबर तक चलेगा। विधान में हिस्सा लेने वालों के लिए वस्त्र आदि की व्यवस्था कमेटी की ओर से की गई है। साथ ही श्रद्धालुओं को कमेटी की ओर से आने जाने की, भोजन की व्यवस्था निशुल्क रखी गई है। तुमैंन ग्राम वासी त्रिवेणी नदी के पुल पर से भव्य आगवानी की जिसमें गांव वासी ने जगह जगह मुनि श्री आदित्य सागर जी का पाद प्रक्षालन एवं स्वागत किया। मुनि श्री ने तूमेन पहुंच कर जैसे ही बैठा देव श्री 1008 आदिनाथ भगवान के दर्शन किए वो क्षण एक दम भावुक कर देने वाला दृश्य था। इसके प्रश्चात मुनि श्री ने कहा कि जैसा समाधिस्त आचार्य श्री 108 विद्या सागर जी महाराज को कुंडलपुर में स्थित बड़े बाबा की प्रतिमा देख कर महसूस होता था वैसा ही आज हमको तूमैंन में बैठा देव आदिनाथ स्वामी को देख कर महसूस हो रहा है। ये प्रतिमा जी उतनी ही पुरानी है जितनी कि कुंडलपुर वाले बड़े बाबा की है। सभी श्रावक-श्राविकाओं को विधान में बैठने के लिए कहा। नमोस्तु शासन जयवंत हो। -**अभिषेक अशोक पाटील**

डॉ. विपुल इंचुलकर को एमबीबीएस में गोल्ड मिला राज्यपाल रमेन डेका के हाथों मिला

रायपुर (विश्व परिवार)। पंडित जवाहर लाल नेहरू स्मृति चिकित्सा महाविद्यालय से एमबीबीएस में बाल रोग विषय में सर्वोच्च अंक प्राप्त करने के लिए विपुल इंचुलकर को स्वर्ण पदक मिला है। मेडिकल कॉलेज रायपुर के पुरस्कार समारोह में राज्यपाल रमेन डेका ने उन्हें स्वर्ण पदक दिया। विपुल महाराष्ट्र मंडल के आजीवन सभासद डा. श्रीकांत इंचुलकर और माधुरी इंचुलकर के पुत्र हैं।

आजीवन सभासद डॉ. श्रीकांत और माधुरी इंचुलकर के पुत्र हैं डॉ. विपुल

विपुल की इस उपलब्धि पर महाराष्ट्र मंडल के अध्यक्ष अजय मधुकर काले और कार्यकारिणी ने उन्हें बधाई और शुभकामनाएं दी है। काले ने कहा कि जीवन में जब भी समाजसेवा का कोई अवसर मिले, तो उस अवसर का लाभ जरूर उठाना। डाक्टर बिरादरी ने कोरोना से त्रासदी के लिए समाजसेवा का अद्भुत उदाहरण पेश किया था।

बताते चले कि पंडित जवाहर लाल नेहरू स्मृति चिकित्सा महाविद्यालय, रायपुर में एमबीबीएस प्रथम वर्ष में नव प्रवेशित विद्यार्थियों को चिकित्सा आचार संहिता की शपथ दिलाने के लिए 'वाइट कोट सेरेमनी' का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि राज्यपाल रमेन डेका थे। मेडिकल कालेज के डीन डॉ. विवेक चौधरी ने स्वागत उद्बोधन दिया।

छत्तीसगढ़ के जनादेश परब में शामिल होने पहुंचे केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा का मुख्यमंत्री ने किया स्वागत

रायपुर (विश्व परिवार)। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री श्री जगत प्रकाश नड्डा आज छत्तीसगढ़ सरकार के एक साल पूरा होने के उपलक्ष्य में राजधानी में आयोजित जनादेश परब में शामिल होने के लिए रायपुर पहुंचे। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने श्री नड्डा का स्वामी विवेकानंद विमानतल पहुंचने पर पुष्प गुच्छ भेंटकर स्वागत किया। इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री द्वय श्री अरुण साव, श्री विजय शर्मा सहित स्वास्थ्य मंत्री श्री श्याम बिहारी जायसवाल, विधायक श्री राजेश मूणत, श्री सुनील सोनी एवं श्री किरण देव सिंह ने भी केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्री का स्वागत किया।

पंचकल्याणक महामहोत्सव में तप कल्याणक महोत्सव की क्रियाएं सम्पन्न

मुनि श्री सुप्रभ सागर जी महाराज का 44वां अवतरण दिवस पूर्ण भव्यता के साथ सम्पन्न

जतारा (विश्व परिवार)। जतारा नगर गोरव श्रमणाचार्य 108 श्री विमर्श सागर जी महाराज की जन्म नगरी श्री दिगंबर जैन अतिशय क्षेत्र आदिश्वर धाम जतारा के समीपस्थ ग्राम माची में चर्या शिरोमणि आचार्य भगवन 108 श्री विशुद्ध सागर जी महा मुनिराज के पथानुगामी प्रिय शिष्य द्वय 108 श्री सुप्रभ सागर जी महाराज 108 श्री प्रणत सागर जी महाराज के मंगल निर्देशन में चल रहे भव्य चंद्रप्रभ पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महोत्सव में युवराज चंद्र कुमार का तब कल्याणक महोत्सव संपन्न किया गया।

भारतीय जैन संगठन तहसील अध्यक्ष एवं जतारा जैन समाज उपाध्यक्ष अशोक कुमार जैन ने बताया कि प्रात: काल की बेला में परम पूज्य मुनि श्री 108 श्री सुप्रभ सागर जी महाराज का 44 वां अवतरण दिवस पूर्ण भव्यता से संपन्न किया गया।

दूर दराज अंचलों से आए गुरु भक्तों ने पूर्ण भक्ति भाव के साथ अपने गुरु सुप्रभ सागर जी महाराज के 44 वे अवतरण दिवस पर अष्ट मांगलिक द्रव्य से महा मंगलिक पूजन संपन्न की, तत्पश्चात भक्तों को अपने-अपने विनयांजली सुमन गुरु चरणों में समर्पित करने का सौभाग्य प्राप्त हुआ, पूजन उपरांत पूज्य मुनि श्री की मंगल देशना सुनने का सौभाग्य जन समुदाय को प्राप्त हुआ। दोपहर कालीन वेला में युवराज चंद्र कुमार की बारात का दृश्यांकन भव्यता से प्रस्तुत किया गया, युवराज चंद्र कुमार का राजतिलक, राज दरबार आदि के दृश्यांकन उपरांत चंद्र कुमार को वैराग्य आना और दिगंबर जैनेश्वरी दीक्षा (मुनि दीक्षा) धारण कर मोक्ष प्राप्ति हेतु तप करने के लिए संपूर्ण राज पाठ त्याग कर घर से चले जाना, संपूर्ण दृश्यांकन पूर्ण भव्यता से संपन्न किए गए।

गुरु अवतरण दिवस पर 13 दिसंबर को ही तहसील संगठन अध्यक्ष अशोक कुमार जैन को अपनी शादी की 28 वीं वैवाहिक वर्षगांठ पर गुरु आशीष प्राप्त करने का सौभाग्य प्राप्त हुआ।

कार्यक्रम में मुख्य रूप से जतारा जैन समाज अध्यक्ष महेंद्र जैन टानगा, पवन मोदी, प्रकाश जैन मुन्नू, सुनील बंसल, देवेंद्र करमोरा सहित लखनऊ, उज्जैन, गुरसराय, छिंदवाड़ा, वानपुर, टीकमगढ़ एवं संपूर्ण जतारा जैन समाज सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे।

आज संपन्न होगा तीर्थंकर मुनिराज का ज्ञान कल्याणक महोत्सव : आज चंद्र कुमार मुनिराज का ज्ञान कल्याण महोत्सव संपन्न किया जाएगा, मुनिराज चंद्र कुमार की आहार चर्या, मुनिराज चंद्र कुमार का केवल्य ज्ञान महोत्सव, (ज्ञान कल्याणक महोत्सव) केवल्य ज्ञान उपरांत चंद्र कुमार मुनि की धर्म सभा (समवशरण सभा) का आयोजन संपन्न किया जाएगा।

पुलिस की संयुक्त टीम ने मुठभेड़ में 2 माओवादी का मार गिराया

बीजापुर (आरएनएस)। डीआरजी, कोबरा 210 और 168 वाहिनी केरिपु यंग प्लाटून की संयुक्त टीम के साथ आज सुबह बासागुड़ा थाना क्षेत्रान्तर्गत नेण्ड्रा-पुन्नुर के जंगलों में हुए मुठभेड़ में 02 माओवादी हुए ढेर। मौके से 02 12 बोर गन, 01 भरमार, प्रिंटर, पिट्ठू, माओवादी वर्दी, साहित्य, विस्फोटक तथा अन्य माओवादी सामग्री बरामद। थाना बासागुड़ा क्षेत्रान्तर्गत नेण्ड्रा-पुन्नुर में मद्देड़ एरिया कमेटी के सशस्त्र माओवादियों के साथ विगत दिनों थाना बासागुड़ा तर्रेम क्षेत्र में हुए ग्रामीणों की हत्या में शामिल माओवादियों की उपस्थिति की आसूचना पर डीआरजी, कोबरा 210 एवं यंग प्लाटून 168 वाहिनी केरिपु की संयुक्त टीम दिनांक 12/12/2024 की रात्रि में नेण्ड्रा-पुन्नुर की ओर नक्सल विरोधी अभियान पर निकली थी। अभियान के दौरान आज सुबह 7.30 बजे पुलिस और माओवादियों के बीच हुए मुठभेड़ हुई जिसमे 02 माओवादी मारे गये। मुठभेड़ समाप्त होने के पश्चात मौके की सर्चिंग करने पर घटनास्थल से 02 नग 12 Bore Single Shot Gun, 01 नग Country Made Gun, Corde& Wire, Tiffin Bomb 05kg, प्रिंटर, माओवादी वर्दी, साहित्य एवं अन्य माओवादी सामग्री बरामद हुआ है। घटना में मारे गए माओवादियों की शिनाख्तगी एवं अन्य वैधानिक कार्यवाही थाना बासागुड़ा द्वारा की जा रही है। विस्तृत जानकारी पृथक से उपलब्ध कराई जाएगी।

डबल इंजन की सरकार में मिल...पेज-01 का शेष

मोदी की गारंटी के अनुरूप यहां किसानों से 3100 प्रति क्विंटल में धान खरीदी की जा रही है। किसानों को उनके हक का 3716 करोड़ रूपए धान के बकाया दो साल के बोनस का भुगतान भी किया गया है।

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने जनादेश परब में घोषणा की कि अब से हर साल 3 दिसंबर से 13 दिसंबर तक 'जनादेश परब' के रूप में मनाया जाएगा। आने वाले वर्ष में छत्तीसगढ़ के 25 वर्ष पूरे हो रहे हैं। राज्य निर्माता भारत रत्न अटलजी का यह शताब्दी वर्ष भी है। उन्होंने छत्तीसगढ़ के रजत जयंती वर्ष को 'अटल निर्माण वर्ष' के रूप में मनाने की घोषणा की। श्री साय ने कहा कि अटलजी ने प्रधानमंत्री के रूप में देश में सड़कों का जाल बिछाया। उसी से प्रेरणा लेकर हम अपने रजत जयंती वर्ष में अधोसंरचना विकास को प्राथमिकता में रखेंगे। उसके बाद के तीन वर्षों में भी हम अलग-अलग थीम पर काम करेंगे।

मुख्यमंत्री श्री साय ने जनादेश परब को सम्बोधित करते हुए कहा कि पिछले साल किसान भाइयों के खाते में आपकी डबल इंजिन की सरकार ने 49 हजार करोड़ रुपए डाले हैं। हमने अपने शुरूआती तीन महीनों में ही प्राथमिकता के साथ महतारी वंदन योजना का लाभ प्रदेश की माताओं-बहनों को देना आरंभ किया। 70 लाख माताओं-बहनों के खाते में महतारी वंदन योजना की अब तक 10 किश्तों में 6,530 करोड़ रुपए की राशि भेजी जा चुकी है। पहली तारीख को हम यह राशि भेज देते हैं और जैसे ही माताओं-बहनों के खाते में राशि आती है उनका चेहरा गर्व से खिल जाता है। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि जो रामराज्य के मूल्य हैं, वहीं हमारे लिए सुशासन के मूल्य हैं। हमने प्रशासन के हर स्तर पर सुशासन को सुनिश्चित किया है। हमने सुशासन के मूल्यों को सिस्टम में शामिल करने सुशासन एवं अभिसरण विभाग का गठन किया। सुशासन के लिए पारदर्शिता सबसे आवश्यक है और इसके लिए डिजिटल गवर्नेंस शुरू कराया है। लालफीताशाही को दूर करने हमने ई-आफिस प्रणाली आरंभ की है। इसमें डिजिटल माध्यम में नोटशीट आगे बढ़ती है। इससे समय-सीमा भी तय होती है और जवाबदेही भी तय हो जाती है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि बस्तर और सरगुजा के विकास के बगैर छत्तीसगढ़ के विकास के बारे में सोचा भी नहीं जा सकता। हमने वनोपज संग्राहकों की आय बढ़ाने के लिए काम किया है। तेंदूपत्ता संग्रहण की राशि हमने 4 हजार रुपए प्रति मानक बोरा से बढ़ाकर साढ़े 5 हजार रुपए कर दी। जनजातीय गौरव दिवस के दिन हमने राज्य के बैगा, गुनिया, सिरहा आदि को पांच-पांच हजार रुपए सम्मान निधि देने की घोषणा की। उन्होंने कहा कि बस्तर में पर्यटन कॉरिडोर का निर्माण हम कर रहे हैं। कांगेर घाटी के गांव धुड़मारास को संयुक्त राष्ट्र पर्यटन संगठन ने दुनिया के 20 चुनिंदा गांवों में शामिल किया है। बस्तर और छत्तीसगढ़ विश्व पर्यटन के मानचित्र में आ गए हैं। सरगुजा संभाग भी विश्व के पर्यटन नक्शे में स्थान बना रहा है। अभी-अभी जशपुर के मधेश्वर पहाड़ शिवलिंग को विश्व में सबसे बड़ी प्राकृतिक प्रतिकृति के रूप में मान्यता प्राप्त हुई है। उन्होंने कहा कि गुरु घासीदास तमोर पिंगला को हमने देश का तीसरा सबसे बड़ा टाइगर रिजर्व बनाया है। इससे इको टूरिज्म को बढ़ावा मिलेगा। सरगुजा और बस्तर में एयर कनेक्टिविटी आरंभ होने से इन क्षेत्रों में तेजी से विकास के साथ ही यहां अब देश-विदेश से पर्यटकों के पहुंचने की राह खुल गई है। मोदी जी के यशस्वी नेतृत्व में छत्तीसगढ़ में सभी स्वीकृत सड़कों का निर्माण कार्य पूरा होने के बाद आगामी दो सालों में प्रदेश का सड़क नेटवर्क विकसित देशों की तरह हो जाएगा।

विधायक श्री किरण सिंह देव ने कार्यक्रम में स्वागत भाषण दिया। उप मुख्यमंत्री श्री अरूण साव ने आभार प्रदर्शन किया। कार्यक्रम में विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह, महाराष्ट्र के पूर्व राज्यपाल श्री रमेश बैस और बिहार के कैबिनेट मंत्री श्री नितिन नवीन सहित मंत्रिमण्डल के सभी सदस्य, विधायकगण और गणमान्य नागरिक बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे में सौर ऊर्जा का बढ़ता उपयोग

बिलासपुर (विश्व परिवार)। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे में भारतीय रेलवे का सबसे बड़ा सौर ऊर्जा संयंत्र स्थापित किया गया है। इस सौर ऊर्जा संयंत्र का विद्युत उत्पादन क्षमता 50 मेगावाट है। इस संयंत्र का उद्घाटन माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी द्वारा 24 फरवरी 2024 को किया गया।

यह संयंत्र दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के अंतर्गत छत्तीसगढ़ राज्य के भिलाई के पास चरौदा में 122 हेक्टेयर भूमि पर स्थापित किया गया है। संयंत्र में 1, 49, 464 सोलर मॉड्यूल (445/ 448/ 450/ 465/ 4702p (watt-peak) रेटिंग वाले), 13 इन्वर्टर (3.85 मेगावाट), और 15.4 मेगावाट एम्पियर व 3.85 मेगावाट एम्पियर रेटिंग वाले ट्रांसफॉर्मर शामिल हैं।

यह संयंत्र 33 किलोवोल्ट्स तक विद्युत उत्पन्न करता है, जिसे 4.8 कि.मी. लंबी ट्रांसमिशन लाइन के माध्यम से पूलिंग सब-स्टेशन तक पहुंचाया जाता है। 33 किलोवोल्ट्स विद्युत को 220 किलोवोल्ट्स में परिवर्तित कर पावर ग्रिड कारपोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड सब-स्टेशन (कुम्हारी, रायपुर) तक भेजा जाता है। यहां से इस विद्युत को 400 किलोवोल्ट्स तक बढ़ाकर इसे ट्रैक्शन में उपयोग के लिए पावर ग्रिड लाइन से जोड़ा गया है, जिसे अन्य ज़ोनल रेलवे में भी ऊर्जा खपत में इस्तेमाल किया जाता है।

इस 50 मेगावाट क्षमता वाले संयंत्र से प्रतिमाह 72 लाख यूनिट विद्युत उत्पन्न हो रही है तथा इसके माध्यम से हर महीने 5936 टन कार्बन के उत्सर्जन में कमी आई है। संयंत्र के 122 हेक्टेयर क्षेत्र में फैले होने के कारण इसकी सफाई और रखरखाव के लिए सूर्यास्त से सूर्योदय के बीच का समय निर्धारित किया गया है। संयंत्र में स्वचालित सफाई प्रणाली विकसित की गई है, जिससे कम समय और न्यूनतम मानव संसाधन के साथ रखरखाव कार्य किया जाता है।

यह सौर ऊर्जा संयंत्र न केवल रेलवे की ऊर्जा आवश्यकताओं को पूरा कर रहा है बल्कि पर्यावरण संरक्षण में भी महत्वपूर्ण योगदान दे रहा है। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे की यह पहल अक्षय ऊर्जा के क्षेत्र में एक मिसाल है।

कलेक्टर रोहित व्यास के निर्देश पर जशपुर जिले में शिक्षा के गुणवत्ता पर दिया जा रहा ध्यान

यशस्वी जशपुर द्वारा विद्यालयों में मोटिवेशनल सेशन किया जा रहा आयोजित

शिक्षिकाओं से स्टुडेंट्स परीक्षा संबंधी प्रश्न और शंकाओं का समाधान प्राप्त कर रहें

जशपुर नगर (विश्व परिवार)। कलेक्टर रोहित व्यास के निर्देश पर जशपुर जिले में शिक्षा के गुणवत्ता पर ध्यान दिया जा राहा है। यशस्वी जशपुर के द्वारा कई कार्यक्रम चलाए जा रहे हैं। जिससे प्रतिवर्ष परीक्षा में बेहतर प्रदर्शन बच्चों के द्वारा किया जा रहा है और परिणाम भी हर वर्ष उत्कृष्ट आ रहे है।

यशस्वी जशपुर के नोडल अधिकारी विनोद गुप्ता के निर्देश पर इस माह कार्यक्रम के तहत स्कूलों में मोटिवेशन का सेशन रखा गया है ताकि बच्चों के बोर्ड परीक्षा के भय को दूर किया जा सके और परिणाम बेहतर किया जा सके।

10 दिसंबर को मनोरा विकासखंड के खरसोता हायर सेकेंडरी स्कूल एवं 12 दिसंबर को जशपुर विकासखंड के एम एल बी कन्या हायर सेकेंडरी स्कूल जशपुर में संकल्प की शिक्षिकाओं ज्योति श्रीवास्तव, ममता सिन्हा एवं सीमा गुप्ता के द्वारा मोटिवेशनल सेशन लिया गया। जिसके अंतर्गत विद्यार्थियों को प्रेरित करते हुए बोर्ड परीक्षा में कैसे बेहतर प्रदर्शन करें, स्मार्ट स्टडी कैसे किया जाए, कम समय में किस प्रकार परीक्षा की तैयारी की जाए, इन सभी विषयों पर प्रकाश डाला गया, लक्ष्य निर्धारण एवं निरंतर अभ्यास के बारे में भी बच्चों को बताया गया। बच्चों ने भी परीक्षा संबंधी कई प्रश्न शिक्षिकाओं से किए और अपनी शंकाओं का समाधान प्राप्त किया।

निस्वार्थ कार्य : मृतक अंग दाता ने दो जीवन बचाए और चिकित्सा विज्ञान में योगदान दिया

रायपुर (विश्व परिवार)। एम्स रायपुर में मानवीयता का एक असाधारण उदाहरण देखने को मिला, जब राजनांदगांव की 25 वर्षीय महिला, जो पिछले आठ वर्षों से इम्यून थ्रॉम्बोसाइटोपेनिया (ITP) से जूझ रही थीं, मस्तिष्क में गंभीर रक्तस्राव के कारण ब्रेन डेड घोषित होने के बाद अपने अंग दान करके दो जीवन बचाने में सफल रहीं।

7 दिसंबर 2024 को एम्स रायपुर के ट्रॉमा और इमरजेंसी विभाग में भर्ती हुई इस मरीज की स्थिति गहन उपचार के बावजूद बिगड़ गई। ब्रेन डेड की संभावना को देखते हुए, डॉ. देवेंद्र त्रिपाठी के नेतृत्व में ट्रॉमा टीम ने ट्रांसप्लांट टीम के साथ मिलकर अंग दान की संभावना को तलाशा।

ट्रांसप्लांट कोऑर्डिनेटर टीम, जिसमें श्री विषोक, सुश्री अम्बे, श्री पुष्पराज, और सुश्री रीना शामिल थे, ने परिवार से संवेदनशीलता के साथ संपर्क किया और अंग दान के जीवनरक्षक महत्व को समझाया। परिवार ने करुणा का परिचय देते हुए उनकी किडनी दान करने की सहमति दी और साथ ही चिकित्सा शिक्षा और अनुसंधान के लिए उनके शरीर को दान करने का भी निर्णय लिया। मरीज को ब्रेन डेड घोषित करने की प्रक्रिया विशेषज्ञों की टीम, जिसमें डॉ. नरेंद्र बोधे, डॉ. वासनिक, डॉ. श्रीवनन सुक्रिया, और डॉ. दिबाकर साहू शामिल थे, ने पूरी की। गहन देखभाल यूनिट (CCU) की टीम ने, जिसमें डॉ. सुभ्रत सिंह और डॉ. चिन्मय पांडा थे, महत्वपूर्ण देखभाल का प्रबंधन किया।

SOTTO के अंग आवंटन प्रोटोकॉल के अनुसार, दोनों किडनी एम्स रायपुर को आवंटित की गईं। रायपुर की 37 वर्षीय महिला, जो तीन वर्षों से क्रॉनिक किडनी रोग से पीड़ित थीं, को पहली किडनी मिली। दूसरी किडनी रायगढ़ के 38 वर्षीय पुरुष, जो एक वर्ष से डायलिसिस पर थे, को प्रत्यारोपित की गई।

प्रत्यारोपण सर्जरी एम्स रायपुर के कुशल टीम द्वारा सफलतापूर्वक की गई। इस टीम में यूरोलॉजिस्ट डॉ. अमित आर. शर्मा, डॉ. दीपक बिस्वाल, और डॉ. सत्यदेव शर्मा के साथ नेफ्रोलॉजिस्ट डॉ. विनय राठौर और एनेस्थेसियोलॉजिस्ट डॉ. सुभ्रत सिंह एवं डॉ. जितेंद्र शामिल थे। दोनों रोगी अब स्थिर हैं और ट्रांसप्लांट ड्रुष्ट में डॉक्टरों की देखरेख में हैं।

मृतक अंग दाता को श्रद्धांजलि के रूप में 'गार्ड ऑफ ऑनर' दिया गया। एम्स रायपुर के कार्यकारी निदेशक लेफ्टिनेंट जनरल अशोक जिंदल (सेवानिवृत्त) ने व्यक्तिगत रूप से परिवार से मुलाकात की और उनके इस नेक फैसले के लिए सराहना व्यक्त की। इसके बाद, मृतक का शरीर एम्स रायपुर के एनाटॉमी विभाग को चिकित्सा शिक्षा और अनुसंधान के लिए सौंप दिया गया। इस युवा दाता और उनके परिवार का निस्वार्थ कार्य मानवता का प्रेरणादायक उदाहरण है, जो जीवन बचाने और चिकित्सा विज्ञान को आगे बढ़ाने में अंग दान के महत्व को रेखांकित करता है।

प्रकाशक, मुद्रक, स्वामी प्रियेश कुमार जैन द्वारा आसमां पब्लिसर्स इंडिया प्रा.लि. पंजाब नेशनल बैंक के सामने, जयस्तंभ चौक, रायपुर से मुद्रित एवं ओलंपस जिम के पीछे, सेक्टर-1, शंकर नगर रायपुर (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक : प्रदीप कुमार जैन, फोन नं. : 0771- 4017966, मो.- 9981924252 RNI.NO.CHHHIN/2013/50354

सड़क हादसा में छोटे नारायण सिंह की मौत, हृदय विदारक घटना से विश्रामपुर अंबिकापुर शोक में डूबा

गोपाल सिंह विद्रोही

सूरजपुर ब्यूरो (दैनिक विश्व परिवार)-बीती रात सड़क दुर्घटना में नगर के प्रतिष्ठित नागरिक विजयकांत सिंह का पुत्र छोटे नारायण सिंह का सड़क दुर्घटना में दर्दनाक मौत हो है इस हृदय विद्यारक घटना ने विश्रामपुर सहित अंबिकापुर झकझोर दिया है। बताया जाता है कि मृतक छोटे नारायण सिंह अपने साथियों के साथ सेंट्रो कार क्रमांक सीजी 15 0 एक्स 2684 पर अपने साथियों के साथ सूरजपुर बैंक से ड्यूटी कर अपने नवीन घर अंबिकापुर जा रहे थे रात्रि 9:30 बजे कार अनियंत्रित होकर राष्ट्रीय राजमार्ग 43 पर सिलफिली से पहले हनुमान मंदिर से 500 मीटर की दूरी पर स्थित बरगद के पेड़ से जा टकराई जिससे छोटे नारायण सिंह सहित उनके दो अन्य साथी बुरी तरह से जख्मी हो गए। सूचना पर घायल छोटे नारायण सिंह के बड़ा भारत डॉ प्रशांत सिंह एवं जयनगर टी नरेंद्र सिंह प्राइवेट एंबुलेंस एवं 108 के माध्यम से अंबिकापुर चिकित्सालय पहुंचाया जहां छोटे नारायण सिंह की दर्दनाक मौत हो गई जबकि उनके दो अन्य साथी सड़क दुर्घटना में गंभीर रूप से घायल हो गए । मृतक के संबंध में बताया जाता है कि वे दो बच्चों के पिता है जिसमें एक डेढ़ माह की बच्ची है। मृतक बैकुंठपुर के बीएमओ डॉक्टर प्रशांत सिंह का छोटा भाई तथा तहसीलदार डॉ अमृता सिंह का देवर है ।बताया जाता है कि मृतक का पिता बिश्रामपुर में सेवानिवृत कर्मचारी तथा सामाजिक कार्यों से में

जुड़े रहते थे तथा कुछ वर्ष पहले ही संभागीय मुख्यालय अंबिकापुर के बिशनपुर वार्ड क्रमांक 48 में अपना निवास बनाए थे जहां मृतक अपने माता-पिता पत्नी एवं दो बच्चों के साथ रह कर सूरजपुर किसी बैंक में नौकरी करने नियमित आता जाता था। बीती रात काली रात बन कर आई और अपने में समा ली। इस खबर की सूचना जैसे विश्रामपुर के लोगों को लगी सभी शुभ चिंतक अंबिकापुर की ओर भाग निकले । पीएम रिपोर्ट के बाद दोपहर 4:30 बजे मुक्तिधाम में मृतक का दाह संस्कार किया गया। इस दुखद घटना ने विश्रामपुर अंबिकापुर को झकझोर कर रख दिया है।

विश्व मानव अधिकार दिवस के अवसर पर जिला जेल में आयोजित हुआ विधिक जागरूकता शिविर

रायगढ़ (विश्व परिवार)। प्रधान जिला न्यायाधीश/अध्यक्ष श्री जितेन्द्र कुमार जैन के मार्गदर्शन में श्रीमती अंकिता मुदलियार, न्यायाधीश/सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण रायगढ़ द्वारा 10 दिसम्बर विश्व मानव अधिकार दिवस के अवसर पर जिला जेल रायगढ़ में विधिक जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। आयोजित शिविर में समाज के कमजोर वर्गो को नि:शुल्क कानूनी सेवाएं प्रदान करने के लिए और विवादों के सौहर्द्रपूर्ण समाधान, संविधान के अनुच्छेद 39-ए में अवसर के समानता के आधार पर न्याय को बढावा देने के लिए, समाज के कमजोर वर्गो को मुफ्त कानूनी सहायता प्रदान करने के लिए प्रावधान के संबंध मे अभिरक्षाधीन पुरूष एवं महिला बंदियों को पृथक-पृथक जानकारी दी गई। साथ ही बंदियों को यह भी बताया गया कि अपना स्वयं का अधिवक्ता नि:शुल्क रख सकते हैं जो आपका केस पूर तरह से नि:शुल्क पैरवी करेगा, जिसमें आपको किसी भी प्रकार का कोई शुल्क नहीं लगेगा। उन्हें कानून संबंधी अन्य जानकारियां के साथ अपराधों से दूर रहने की भी सलाह दी गई। प्रधान जिला न्यायाधीश/अध्यक्ष श्री जितेन्द्र कुमार जैन ने विशेष रूप से यह भी बताया गया कि मानवाधिकार वह अधिकार है जो हमें सिर्फ इसलिए मिलें हैं क्योंकि हम मनुष्य है, जो किसी राज्य द्वारा प्रदाय नहीं किया जाता है। ये सार्वभौमिक अधिकार हम सभी में निहित है चाहें वह किसी भी जाति रंग, धर्म,लिंग,भाषा,अन्य राज्य, राष्ट्रीय या सामाजिक मूल, संपत्ति, जन्म या अन्य स्थिति का हो। इस दिवस को दुनिया भर में मनाया जाता है, हर वर्ष की भांति इस वर्ष मानव अधिकार दिवस 2024 का थीम हमारे अधिकार, हमारा भविष्य अभी है यह इस बात पर गौर करता है कि मानव अधिकार हमारे रोजमर्रा के जीवन को कैसे प्रभावित करते है जो उन अविभाज्य अधिकारों को सुनिश्चित करता है, जो हर किसी को एक इंसान के रूप में प्राप्त है। शिविर के माध्यम से हिट एण्ड रन, लैंगिक अपराधों से बालकों का संरक्षण अधिनियम 2012, घरेलु हिंसा, मोटरयान(संशोधन) अधिनियम 2019, मौलिक कर्तव्य, मौलिक अधिकार, बाल श्रम निषेध अधिनियम, बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम 2006, कार्यस्थल पर यौन उत्पीडन् के संबंध जागरूक करते हुए तुरन्त कार्यवाही करने एवं नि:शुल्क विधिक साक्षरता के संबंध में बताया।

पीएमश्री स्कूल योजना के तहत बाल संसद कार्यक्रम का आयोजन

कोरबा (विश्व परिवार)। पीएम श्री स्कूल जवाहर नवोदय विद्यालय सलोरा, कोरबा के प्राचार्य के निर्देश पर विद्यालय के मीडिया प्रभारी शिक्षक संतोष चैरसिया ने बताया कि बाल संसद कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में विद्यालय के कक्षा 8, 9 वी के छात्र छात्राओ ने प्रतिभाग किया और उन्होंने विभिन्न संसद की विभिन्न विषयों और उनकी कार्यवाही पर चर्चा की। छात्रों ने अपने विचारों और सुझावों को साझा किया और उन्होंने अपने स्कूल और समाज के विकास के लिए योजनाएँ बनाईं। विद्यालय की प्राचार्या शांति मोहंती ने कहा, ष्बाल संसद कार्यक्रम का उद्देश्य छात्रों को नेतृत्व कौशल और सामाजिक जिम्मेदारी के बारे में जागरूक करना है। यह कार्यक्रम छात्रों को अपने विचारों और सुझावों को साझा करने का अवसर प्रदान करता है ष् शिक्षक चैरसिया ने बताया की यह संपूर्ण बाल संसद कार्यक्रम सामाजिक विज्ञान शिक्षिका श्रीमती काजोल कुमारी की अगुआई में हुआ इस कार्यक्रम के कोऑर्डिनेटर शिक्षक सत्येंद्र सिंह ने निभाई। इस कार्यक्रम में विद्यालय के शिक्षक लोकचन्द सोनटके, सन्तोष चैरसिया, सुधीर कुमार ओलिव सुरीन, अंजली चैरसिया, अनामिका, शेर अफगान, मेघराज,नवेंदु दास, शिवानी , सुधांशु सिंह, महाबली पोर्ते, अखिलेश , इंदु वर्मा, अरविंद त्रिपाठी और 526 छात्रों ने भाग लिया और उन्होंने इसे सफल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

उधार की रकम अदा करने दिया चेक हुआ बाउंस, आरोपी को सुनाई गई सजा

कोरबा(विश्व परिवार)। छत्तीसगढ़ राज्य ग्रामीण बैंक जमनीपाली शाखा से एक लाख रुपए का ऋण लेकर उसे समय पर न लौटाने की वजह से अभियुक्त को 6 महीने की साधारण कारवास की सजा सुनाते हुए 2 लाख 50 हजार रुपए प्रतिकर के रूप में परिवादी बैंक को देने का आदेश पारित किया गया है। जानकारी के अनुसार आरोपी आभा प्रिंटिंग प्रेस के प्रोपाइटर पहारूराम निराला के द्वारा प्रिंटिंग प्रेस के संचालन हेतु छत्तीसगढ़ राज्य ग्रामीण बैंक की जमनीपाली शाखा से 1 लाख रुपए उधार लिया गया था जिसे अदा करने के लिए युवक के द्वारा परिवादी बैंक को 1 लाख 34 हजार 464 रुपए की राशि का चेक प्रदान किया गया। बैंक के द्वारा उक्त चेक को आहरण हेतु जब शाखा में जमा किया गया तो उसमें पर्याप्त राशि न होना दिखाया गया। जिसकी विधिक सूचना बैंक द्वारा अपने अधिवक्ता के माध्यम से आरोपी युवक को दिया गया। इसके पश्चात् भी आरोपी रकम चुकाने में असफल रहा। इन सभी बिंदुओं को ध्यान में रखते हुए न्यायाधीश पंकज दीक्षित कटघोरा ने युवक को दोषी पाते हुए 6 माह का साधारण कारावास एवं रूपए 2 लाख 50 हजार प्रतिकर के रूप में बैंक को अदा करने की सजा सुनाई गई। समय पर बैंक को रकम न लौटाने पर अभियुक्त को दो महीने का अतिरिक्त कारावास की सजा भी सुनाई गई। परिवादी छत्तीसगढ़ राज्य ग्रामीण बैंक जमनीपाली शाखा की ओर से प्रकरण की पैरवी अधिवक्ता धनेश के द्वारा की गई।

टोयोटा किर्लोस्कर मोटर ने ऑल-न्यू कैमरी हाइब्रिड इलेक्ट्रिक वाहन का अनावरण किया

बैंगलोर। टोयोटा किर्लोस्कर मोटर ने आज ऑल-न्यू कैमरी हाइब्रिड इलेक्ट्रिक वाहन का अनावरण किया, जिसे पूरी तरह से सेडान के रूप में डिज़ाइन किया गया है। कार्बन न्यूट्रल लक्ष्यों को साकार करने की दिशा में प्रतिबद्धता के साथ, ऑल-न्यू कैमरी हाइब्रिड इलेक्ट्रिक व्हीकल 5वीं पीढ़ी की उन्नत हाइब्रिड तकनीक से लैस है, जो काफी बेहतर दक्षता और बेहतर प्रदर्शन प्रदान करती है। यह नया मॉडल अत्याधुनिक सुरक्षा सुविधाओं, बेहतरीन एक्सटीरियर और इंटीरियर, सहज प्रौद्योगिकी एकीकरण के साथ बेजोड़ परिष्कार लाता है, जिससे उपभोक्ताओं की अनूठी आकांक्षाओं को पूरा किया जा सके। ऑल-न्यू कैमरी हाइब्रिड इलेक्ट्रिक

व्हीकल एक कार से कहीं बढ़कर है - यह परिष्कृत शैली और विशिष्टता का प्रतिबिंब है। हाइब्रिड पावरट्रेन के साथ बोल्ड इनोवेशन : स्वच्छ वाहन तकनीक को अपनाते हुए, ऑल-न्यू कैमरी हाइब्रिड इलेक्ट्रिक वाहन के केंद्र में शक्तिशाली और कुशल 2.5 लीटर डायनेमिक फोर्स इंजन है, जो 3200 आरपीएम पर 221 एनएम टॉर्क प्रदान करता है। इलेक्ट्रॉनिक रूप से नियंत्रित निरंतर परिवर्तनीय ट्रांसमिशन (ई-सीवीटी) के साथ जोड़ा गया, वाहन एक सहज और गतिशील ड्राइविंग अनुभव सुनिश्चित करता है। ई- सीवीटी सभी ड्राइविंग शैलियों और स्थितियों के अनुरूप कई ड्राइविंग मोड प्रदान करता है- स्पोर्ट, इको और नॉर्मल। इसके अलावा, टोयोटा की 5वी पीढ़ी की हाइब्रिड प्रौद्योगिकी प्रणाली में उच्च क्षमता वाली लीथियम आयन बैटरी है जो ऑल-न्यू कैमरी हाइब्रिड इलेक्ट्रिक वाहन के आउटपुट को 169 केडब्ल्यू (230 पीएस) की प्रभावशाली कुल अधिकतम शक्ति तक पहुँचाती है।

कार्यालय अधीक्षण अभियंता
लो.नि.वि., राष्ट्रीय राजमार्ग मण्डल, रायपुर (छ.ग.)

दिनांक 10.12.2024

एकीकृत पंजीयन प्रणाली अंतर्गत सक्षम श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से निम्नलिखित निर्माण कार्य हेतु ऑनलाईन (Online) निविदा आमंत्रित की जाती है :-

क्र.	नि.आ.सू. क्र./ दिनांक	सिस्टम आईडी क्र.	कार्य का नाम	कार्य की अनुमानित लागत
1.	13/SE/NH/ G/15-68/ 2024	2024_ MORTH_ 838989_ 1	SHORT TERM MAINTENANCE CONTRACT (STMC) OF ROAD FROM KM. 85.000 to 88.000 (JAGDALPUR - SUKMA - KONTA ROAD) TOTAL LENGTH 3.000 KM. OF NH-30 IN THE STATE OF CHHATTISGARH	Rs. 66.11 Lacs

ऑनलाईन निविदा डाउनलोड करने की अंतिम तिथि 30.12.2024 समय शाम 5:30 बजे तक है।

उपरोक्त निर्माण कार्यों की निविदा की सामान्य शर्तें, धरोहर राशि, विस्तृत निविदा विज्ञप्ति, निविदा दस्तावेज व अन्य जानकारी सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय (MORT&H's) के ई-प्रोक्योरमेंट वेब पोर्टल https://eprocure.gov.in/eprocure/app से डाउनलोड की जा सकती है।

अधीक्षण अभियंता,
राष्ट्रीय राजमार्ग मण्डल, लो.नि.वि.,
रायपुर (छ.ग.)

G- 242504516/1

कार्यालय कार्यपालन अभियंता, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी परियोजना खण्ड रायपुर
जिला – रायपुर (छ0ग0)

नि0सू0क्र0 / 05 /व0ले0लि0/ का0अ0/लो0स्वा0यां0/ परि. खण्ड/2024 रायपुर दिनॉक 12.12.2024

-:: निविदा आमंत्रण सूचना ::-

एकीकृत पंजीयन प्रणाली अंतर्गत सक्षम श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदरों से निम्नलिखित कार्य हेतु मैनअुल निविदा आमंत्रित की जाती है :-

01. कार्य का विवरण :- Survey and preparation of Details Project Report for ETP/STP (Sewage treatment plants) at mecahara campus Raipur.

समूह क्र0	कार्य स्थल का नाम	ठेके की अनुमानित राशि (रू0 लाख में)
01	डॉ भीमराव अम्बेडकर स्मृति चिकित्सालय एवं मेडिकल कॉलेज परिसर रायपुर	6.40

निविदा प्रपत्र प्राप्त करने हेतु आवेदन पत्र की अंतिम तिथि 02.01.2025 निर्धारित है।

02. उपरोक्त कार्यो की निविदा की सामान्य शर्ते, धरोहर राशि, विस्तृत निविदा विज्ञप्ति, निविदा दस्तावेज व अन्य जानकारी कार्यालयीन अवधि में कार्यालय से प्राप्त की जा सकती है।

G-242504552/1

कार्यपालन अभियंता
लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी परियोजना खण्ड
रायपुर (छ0ग0)

संक्षिप्त समाचार

फोरलेन सड़क चार साल बाद भी नहीं बन सकी लोगों को राहत नहीं

कोरबा (विश्व परिवार)। एसईसीएल कुसमुंडा क्षेत्र के द्वारा 200 करोड़ रुपए देने के साथ इमलीछापर से तरदा तक स्वीकृत फोरलेन सडक चार साल बीतने के बाद भी नहीं बन सकी। इसका काफी हिस्सा बनने से थोड़ी राहत जरूर हुई लेकिन सर्वमंगला नगर तिराहा के आसपास आधा-अधूरा आसपास पहले की तरह लोगों को परेशान कर रहा है। फोरलेन के चक्कर में इस इलाके में बना हुआ मंदिर और काम्प्लेक्स ध्वस्त कर दिया गया। सीमित संख्या में लोगों के पास रोजगार के साधन थे वे भी समाप्त हो गए। आश्वस्त किया गया था कि जल्द ही फोरलेन का निर्माण होने से कई प्रकार की समस्याएं दूर हो जाएगी और खासतौर पर वायु प्रदूषण से लेकर जल जमाव से जुड़ी परेशानी खत्म हो जाएगी। लोगों को महसूस हो रहा है कि विकास के दावे के बीच हुआ कुछ नहीं। लोगों की शिकायत है कि सर्वमंगला नगर तिराहे के बड़े हिस्से में सडक खोद दी गई है और उसे बदहाल स्थिति में छोड़ दिया गया है। पहले की तरह मौके पर समस्याएं कायम हैं। इसके चलते जनजीवन और पर्यावरण पर प्रतिकूल असर पड़ रहा है। सर्वमंगला नगर के लोग बताते हैं कि नेताओं के निकम्मपन के कारण इस इलाके की उपेक्षा लगातार हो रही है क्यों नेताओं को रेत चोरी से फुर्सत नहीं है।

वी मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ में दे रहा 4त्र का उत्कृष्ट अनुभव

भोपाल : जाने-माने दूरसंचार सेवा प्रदाता वोडाफोन आइडिया (वी) ने आज बताया कि ओपनसिगनल की नेटवर्क एक्सपीरिएंस रिपोर्ट नवम्बर 2024 के अनुसार इसे मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ में उत्कृष्ट 4जी नेटवर्क उपलब्ध कराने के लिए सराहा गया है। इस रिपोर्ट के तहत स्मार्टफोन 4जीत्र यूज़र्स के 4जी अनुभव का मूल्यांकन किया गया। वी का उत्कृष्ट नेटवर्क, उपभोक्ताओं को सर्वश्रेष्ठ डिजिटल अनुभव एवं कनेक्टिविटी उपलब्ध कराने की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। ओपनसिगनल की रिपोर्ट के अनुसार वी के यूज़र 4जी का उत्कृष्ट अनुभव पा रहे हैं, ऐसे में वी विभिन्न श्रेणियों जैसे लाईव वीडिया ,गेमिंग अनुभव, डाउनलोड और अपलोड स्पीड, वॉइस ऐप अनुभव और 4जी वीडियो अनुभव की दृष्टि से टॉप परफोर्मर बन गया है। यह रिपोर्ट लाईव एवं ऑन-डिमांड वीडियो स्ट्रीमिंग, मल्टीप्लेयर मोबाइल गेम्स एवं मोबाइल वॉइस ऐप पर ओटीटी वॉइस सर्विसेज़ में वी के 4जी नेटवर्क की उत्कृष्ट गुणवत्ता को दर्शाती है। ओपनसिगनल की रिपोर्ट मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ सहित देश भर में नेटवर्क के परफोर्मेन्स में सुधार लाने के वी के सतत प्रयासों की पुष्टि करती है। इसी साल अप्रैल में वी ने एफपीओ के ज़रिए रु 18,000 करोड़ की राशि जुटाई थी और कंपनी देश भर में अपने 4जी नेटवर्क में सुधार लाने के लिए निरंतर प्रयासरत है।

मीशो 2024 समीक्षा: छोटे शहरों में बढ़ते उपभोग, जेन ज़ी, और जेन एआई इनोवेशन से मिली 35 प्रतिशत की साल दर साल वृद्धि

रायपुर: भारत के एकमात्र ट्रू ई-कॉमर्स मार्केटप्लेस, मीशो ने 2024 में जबरदस्त वृद्धि की है। इसने सभी तक इंटरनेट कॉमर्स पहुँचाते हुए अपनी स्थिति मजबूत कर ली है। अपने प्लेटफॉर्म पर मिलने वाले ऑर्डर में साल-दर-साल 35 प्रतिशत की वृद्धि के साथ मीशो ग्राहकों की पसंद से जुड़ा हुआ है, और देश में तेजी से ई-कॉमर्स का विस्तार कर रहा है। इसकी वृद्धि भारत में किफायती शॉपिंग पसंद करने वाले ग्राहकों के कारण है, जो फैशन, ब्यूटी, पर्सनल केयर और होम एसेंशियल्स में सस्ते और गुणवत्तापूर्ण उत्पाद खरीदना चाहते हैं। देश के विभिन्न इलाकों और आबादियों के बीच उपभोक्ताओं के लगातार बदलते व्यवहार के साथ ई-कॉमर्स का भी विस्तार हो रहा है, तथा ग्राहक सस्ते दामों में गुणवत्तापूर्ण उत्पाद खरीदने की ओर आकर्षित हो रहे हैं। बाजार में चुनौतीपूर्ण परिस्थितियाँ बनने के बाद भी मीशो के विकास की दर जारी रही और 2024 में इस पर लगभग 175 मिलियन सालाना यूज़र्स ने खरीदारी की। मीशो के 50 प्रतिशत ग्राहक टियर 4+ शहरों, जैसे नईदुपेटा (आंध्र प्रदेश), शेरघाटी (बिहार), और हरपनहल्ली (कर्नाटक) से हैं। साथ ही मीशो लगातार चौथे साल सबसे ज्यादा डाउनलोड होने वाला शॉपिंग ऐप बन गया, जिसे 210 मिलियन से ज्यादा बार डाउनलोड किया गया। यह वृद्धि मीशो की वित्तीय परफॉर्मेंस भी प्रदर्शित करती है। वित्तवर्ष 2023-24 में कंपनी पहली होरिज़ंटल ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म बनी, जिसने पूरे साल के लिए 232 करोड़ रुपये का ऑपरेटिंग कैश फ्लो बनाकर रखा। इस अवधि में ऑपरेशंस से मिलने वाला राजस्व 33 प्रतिशत की वृद्धि करते हुए 7,615 करोड़ रुपये तक पहुँच गया। यह वृद्धि मुख्यत: खरीदारी करने वाले साला ग्राहकों और दोबारा आकर खरीदारी करने वाले ग्राहकों द्वारा ज्यादा ऑर्डर दिए जाने के कारण हुई।

संक्षिप्त समाचार

स्वदेशी आंदोलन में बलिदान देने वाले बाबू गेनू जी को दी गई श्रद्धांजलि

रायपुर (विश्व परिवार)। राजधानी रायपुर में विगत 12 दिसंबर को महान स्वत्रंत्रता सेनानी बाबू गेनू जी को याद करते बलिदान दिवस मनाया गया। यह कार्याक्रम स्वदेशी भवन में आयोजित किया गया था। स्वदेशी के प्रथम बलिदानी बाबू गेनू को श्रद्धांजलि अर्पित की गई। मुख्य वक्ता के रूप में श्रीमती शीला शर्मा जी ने बाबू गेनू के जीवन पर विस्तृत प्रकाश डाला । साथ ही कार्यक्रम में प्रांत संयोजक श्री जगदीश पटेल सहित प्रांत और रायपुर महानगर के कार्यकर्ता बंधु भगिनी उपस्थित रहे।

67वीं नेशनल शूटिंग के लिए 15 दिसम्बर से माना में ट्रायल शुरू

रायपुर (विश्व परिवार)। दिल्ली व भोपाल में आयोजित 67वीं नेशनल चैंपियनशिप कम्पटीशन के लिए शूटर्स का ट्रायल सेशन छत्तीसगढ़ राइफल एसोसिएशन द्वारा 15 से 18 दिसंबर तक शूटिंग रेंज माना में किया जा रहा हैं जिसमे छत्तीसगढ़ के शूटर्स के क्वालीफाई स्कोर के साथ उनका टीम चयन किया जायेगा जो की सीधे दिल्ली व भोपाल में होने वाले नेशनल शूटिंग चैंपियनशिप में भाग ले सकेंगे। बता दे इस ट्रायल टीम का चयन हर साल नेशनल राइफल एसोसिएशन ऑफ़ इंडिया ह्न्न्ड्ढ को भेजा जाता हैं। छत्तीसगढ़ राइफल एसोसिएशन द्वारा चार दिवसीय इस ट्रायल में छत्तीसगढ़ के शूटर्स को आगे बढ़ने का मौका तो मिलेगा ही साथ ही शूटर्स अपने ट्रायल से अपने शूटिंग के स्कोर से कंपीटिशन की बारीकियों को सिखने का भी मौका मिलेगा।

रद्द सारनाथ एक्सप्रेस महाकुंभ मेले के लिए 17 दिसंबर से पुन: पटरी पर

रायपुर (विश्व परिवार)। महाकुंभ मेले के दौरान ट्रेन में होने वाली अतिरिक्त भीड़ के नियंत्रण हेतु रेल यात्रियों को अधिक से अधिक कन्फर्म बर्थ/सीट की सुविधा उपलब्ध कराने हेतु दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे द्वारा तीन कुंभ मेला स्पेशल ट्रेनों का परिचालन किया जा रहा है। जो कि रायगढ़, बिलासपुर एवं दुर्ग स्टेशनों से चलायी जा रही है। इसी कड़ी में दुर्ग–छपरा–दुर्ग सारनाथ एक्सप्रेस को दिनांक 02 दिसम्बर, 2024 से 27 फरवरी, 2025 के बीच पूर्व में ही इस गाड़ी को कोहरे की अग्रिम आशंका के कारण कुछ तिथियों में रद्द किया गया था। प्रयागराज महाकुंभ के दौरान प्रयागराज जाने वाले रेल यात्रियों की मांग को ध्यान रखते हुये रेल प्रशासन के द्वारा रद्द की गयी सारनाथ एक्सप्रेस को 17 दिसम्बर, 2024 से पुनः नियमित परिचालन शुरू किया जा रहा है।

मैनपाट में कड़ाके की ठंड: 3 डिग्री पहुंचा पारा, दिन में भी अलाव का सहारा ले रहे लोग

अंबिकापुर (आरएनएस)। छत्तीसगढ़ के अंबिकापुर में कड़ाके की ठंड पड़ रही है। जिसके कारण यहां का तापमान 6.9 डिग्री पारा पहुँच चुका है। तो वहीं मैनपाट में भी पारा 3 डिग्री चला गया है। साथ ही मैनपाट के कई क्षेत्रों में ओस की बूंद गिरने से पेड़- पौधों में जम गई है। जिससे प्रकृति का सुंदर नज़ारा भी देखने को मिल रहा है। हड्डियां गला देने वाली ठंड में उत्तरी हवा के प्रवाह को सरगुजिया ठंड भी पलटवार कर रहा है। कड़ाके की ठंड के कारण पहाड़ी क्षेत्रों में लोग दिन में भी अलाव का सहारा ले रहे हैं। बढ़ते ठंड को देखते हुए जिला प्रशासन ने भी सभी स्कूलों के समय पर बदलाव किया है। पिछले 48 घंटों में रात के तापमान में आई 5.6 डिग्री की गिरावट आई है।

महाकुंभ एकता का ऐसा महायज्ञ होगा, जिसकी चर्चा पूरी दुनिया में होगी : प्रधानमंत्री मोदी

प्रधानमंत्री मोदी ने महाकुंभ-2025 के लिए प्रयागराज में 5,500 करोड़ की 167 विकास परियोजनाओं का किया लोकार्पण

प्रयागराज (आरएनएस)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शुक्रवार को प्रयागराज पहुंचे। पीएम मोदी ने कहा कि यहां दिन-रात काम कर रहे कर्मचारियों और सफाई कर्मियों का अभिनंदन करता हूं। विश्व का इतना बड़ा आयोजन, हर रोज लाखों श्रद्धालुओं के स्वागत और सेवा की तैयारी, लगातार 45 दिनों तक चलने वाला महायज्ञ, एक नया महानगर बसाने का महाभियान प्रयागराज की धरती पर नया इतिहास रचा जा रहा है। उन्होंने महाकुंभ को लेकर कहा कि यह एकता का ऐसा महायज्ञ होगा, जिसकी चर्चा पूरी दुनिया में होगी।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने महाकुंभ 2025 के लिए शुक्रवार को प्रयागराज में 5,500 करोड़ की 167 विकास परियोजनाओं का लोकार्पण किया। इसमें प्रयागराज में बुनियादी ढांचे को बढ़ावा देने और निर्बाध कनेक्टिविटी प्रदान करने के लिए 10 नए रोड ओवर ब्रिज या फ्लाईओवर, स्थायी घाट और रिवरफ्रंट सड़क जैसी विभिन्न रेल और सड़क परियोजनाएं शामिल हैं। इस दौरान पीएम मोदी एक जनसभा को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा, यह एकता का ऐसा महायज्ञ होगा, जिसकी चर्चा पूरी दुनिया में होगी। मैं इस आयोजन की भव्य और दिव्य सफलता की आप सभी को शुभकामनाएं देता हूं। हमारा भारत पवित्र स्थलों और तीर्थों का देश है।

पीएम मोदी ने कहा कि यह गंगा, यमुना, सरस्वती, कावेरी और नर्मदा जैसी अनगिनत पवित्र नदियों का देश है। इन नदियों के प्रवाह की जो पवित्रता है, इन अनेकानेक तीर्थों का जो महत्व है, जो महात्म्य है, उनका संगम, उनका समुच्चय, उनका योग, उनका संयोग, उनका प्रभाव, उनका प्रताप ये प्रयाग है। उन्होंने कहा कि प्रयाग वो है, जहां पग-पग पर पवित्र स्थान हैं, जहां पग-पग पर पुण्य क्षेत्र हैं। केवल तीन पवित्र नदियों का ही संगम नहीं है। प्रयाग के बारे में कहा गया है : माघ मकरगत रबि जब होई। तीरथपतिहिं आव सब कोई। अर्थात जब सूर्य मकर में प्रवेश करते हैं, सभी दैवीय शक्तियां, सभी तीर्थ, सभी ऋषि, महाऋषि प्रयाग में आ जाते हैं। यह वो स्थान है जिसके प्रभाव के बिना पुराण पूरे नहीं होते।

पीएम मोदी ने कहा कि प्रयागराज वो स्थान है, जिसकी प्रशंसा वेद की ऋचाओं में की गई है। महाकुंभ हजारों वर्ष पहले से चली आ रही हमारे देश की सांस्कृतिक, आध्यात्मिक यात्रा का पुण्य और जीवंत प्रतीक है। यह एक ऐसा आयोजन है जहां हर बार धर्म, ज्ञान, भक्ति और कला का दिव्य समागम होता है। किसी बाहरी व्यवस्था के बजाय कुंभ, मनुष्य के अंतर्मन की चेतना का नाम है। उन्होंने कहा कि यह चेतना स्वत: जागृत होती है। यही चेतना भारत के कोने-कोने से लोगों को संगम के तट तक खींच लाती है। गांवों, कस्बों, शहरों से लोग प्रयागराज की ओर निकल पड़ते हैं। सामुहिकता की ऐसी शक्ति, ऐसा समागम शायद ही कहीं ओर देखने को मिले। यहां आकर संत-महंत, ऋषि-मुनि, ज्ञानी-विद्वान, सामान्य मानव सब एक हो जाते हैं, सब एक साथ त्रिवेणी में डुबकी लगाते हैं। यहां जातियों का भेद खत्म हो जाता है, सम्प्रदायों का टकराव मिट जाता है। करोड़ों लोग एक ध्येय, एक विचार से जुड़ जाते हैं।

छत्तीसगढ़ सिविल जज में चाणक्या लॉ अकैडमी के 49 पदों में 35 जजों का चयन

रायपुर (विश्व परिवार)। छत्तीसगढ़ के रायपुर में स्थित चाणक्या लॉ अकैडमी ने सिविल जज की परीक्षा में फिर एक बार अपना लोहा मनवा लिया। पिछले परीक्षा में कुल 48 पदों में 31 छात्रों का चयन हुआ था वहीं 2023 के परीक्षा में कुल 49 पदों में 35 विद्यार्थियों का चयन क्लासरूम प्रोग्राम और टेस्ट सीरीज इंटरव्यू प्रोग्राम से हुआ है।

संस्था के मेंटर नितिन कुमार नामदेव ने बताया कि उनकी संस्थान से पिछले वर्ष इशानी अवधियाँ ने परीक्षा में प्रथम स्थान हासिल किया था और इस वर्ष संस्था की श्वेता दीवान ने प्रथम स्थान प्राप्त किया है और ये संस्थान से प्रथम स्थान प्राप्त करने वाली/वाले छात्रों में 6 नम्बर है।

श्वेता के अलावा संस्था से दृतीय स्थान पर महिमा शर्मा, तृतीय स्थान पर निखिल साहू, 5वें स्थान पर आयुशी शुक्ला, 8वें स्थान पर आरती ध्रुव, 11वें स्थान पर शारदा शर्मा, 13वें स्थान पर आदित्य जैन, 15वें स्थान मनीषा दुशयानी, 16वें स्थान पर क्षिजिज नवरंग, 18वें स्थान पर हिमांशु पाण्डा, 20वें स्थान पर सूरज राना, 22वें स्थान पर हिमांशु चन्द्राकर, 24वें स्थान पर सुमीत कुमार नायक, 25वें स्थान पर पूजा पटेल, 28वें स्थान पर आयुस ताम्रकार, 29वें स्थान पर तुषार बारिक, 30वें स्थान पर भूमिका ध्रुव, 31वें स्थान पर पूनम नशीने, 33वें स्थान पर अतनू प्रसाद, 34वें स्थान पर नोएल पन्ना, 35वें स्थान पर श्रेया तुलावी, 36वें स्थान पर हरीश कुमार सलामें, 37वें स्थान पर निशी बरा, 38वें स्थान पर सुमिता रानी, 39वें स्थान पर नेहा तिरके, 40वें स्थान पर मयंक ध्रुव, 41वें स्थान पर जितेन्द्र कुमार सोनवानी, 42वें स्थान पर सलमा लकरा, 43वें स्थान पर रिया गनवीर, 44वें स्थान पर वदंना मंडावी, 45वें स्थान पर रीमा लकरा, 46वें स्थान पर सजल जैन, 47वें स्थान पर सीमा नेताम, 48वें स्थान पर चन्द्र किरण मनकर, 49वें स्थान पर जागृति ध्रुव रहीं।

भारतीय सेना के 1971 के युद्ध में विजय की 53वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में नवा रायपुर में सोल्जरथॉन मैराथन का आयोजन

नवा रायपुर (विश्व परिवार)। भारतीय सेना द्वारा छत्तीसगढ़ शासन के सहयोग से 15 दिसंबर, 2024 को अटल नगर, नवा रायपुर के सेंट्रल पार्क में सोल्जरथॉन मैराथन का विशेष संस्करण आयोजित किया जा रहा है। यह आयोजन पाकिस्तान के साथ 1971 के युद्ध में भारत की निर्णायक जीत की 53वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में होगा, जो देश के इतिहास का एक महत्वपूर्ण अध्याय है।

मैराथन में सभी स्तरों के प्रतिभागियों के लिए विभिन्न श्रेणियों की दौड़ होंगी, जिसमें 21 किलोमीटर, 10 किलोमीटर और 05 किलोमीटर की दौड़ के साथ ही साथ 03 किलोमीटर की पैदल यात्रा भी शामिल है। इसके लिए रेस-एक्सपो का आयोजन 14 दिसंबर, 2024 को सेंट्रल पार्क, नया रायपुर में किया जाएगा।

इस आयोजन का एक मुख्य आकर्षण 1971 के भारत-पाक युद्ध से संबंधित युद्ध अवशेषों को प्रदर्शित करना है। प्रदर्शनी में युद्ध से संबंधित सैन्य कलाकृतियाँ, तस्वीरें और यादगार चीज़ें प्रदर्शित की जाएँगी। इस प्रदर्शनी के माध्यम से लोगों को 1971 संघर्ष के इतिहास से जुड़ने और इस महत्वपूर्ण अवधि के दौरान भारतीय सैनिकों द्वारा किए गए बलिदानों के बारे में जानकारी प्राप्त करने अवसर मिलेगा। जनरल वीके सिंह, पीवीएसएम, एवीएसएम, वाईएसएम, एडीसी, पूर्व सेनाध्यक्ष, प्रस्तावित कार्यक्रम में मुख्य अतिथि होंगे। इस अवसर वे पैराप्लेजिक रिहैबिलिटेशन सेंटर को 19,63,284 रुपये का चेक प्रदान करेंगे। सोल्जरथॉन मैराथन न केवल फिटनेस का उत्सव है, बल्कि 1971 के युद्ध में लड़ने वाले भारतीय सैनिकों की वीरता और बलिदान को श्रद्धांजलि भी है। इसका उद्देश्य भारतीय सशस्त्र बलों और छत्तीसगढ़ के नागरिकों के बीच मजबूत संबंध को बढ़ावा देना तथा एकता, देशभक्ति और राष्ट्रीय गौरव की भावना को मजबूत करना है।

पीएम नरेन्द्र मोदी 14 और 15 दिसंबर को मुख्य सचिवों के राष्ट्रीय सम्मेलन की करेंगे अध्यक्षता

नई दिल्ली (आरएनएस)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 14 और 15 दिसंबर को नई दिल्ली में मुख्य सचिवों के चौथे राष्ट्रीय सम्मेलन की अध्यक्षता करेंगे। पीएमओ ने शुक्रवार को इसे लेकर एक बयान जारी किया। बयान के मुताबिक यह केंद्र और राज्य सरकारों के बीच साझेदारी को बढ़ावा देने की दिशा में एक और महत्वपूर्ण कदम होगा।

मुख्य सचिवों का सम्मेलन प्रधानमंत्री मोदी के सहकारी संघवाद को मजबूत करने और तेजी से विकास और प्रगति हासिल करने के लिए केंद्र और राज्यों के बीच बेहतर समन्वय सुनिश्चित करने के दृष्टिकोण से प्रेरित है। यह सम्मेलन पिछले तीन वर्षों से हर साल आयोजित किया जा रहा है।

पहला मुख्य सचिव सम्मेलन जून 2022 में धर्मशाला में आयोजित किया गया था, उसके बाद दूसरा और तीसरा सम्मेलन क्रमश: जनवरी 2023 और दिसंबर 2023 में नई दिल्ली में आयोजित किया गया था। सम्मेलन में राज्यों के साथ साझेदारी में एक साझा विकास एजेंडा पर चर्चा की जाएगी। केंद्रीय मंत्रालयों, विभागों, नीति आयोग, राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के साथ क्षेत्र विशेषज्ञों के बीच व्यापक विचार-विमर्श के आधार पर चौथा राष्ट्रीय सम्मेलन उद्यमिता, रोजगार और कौशल को बढ़ावा देने पर केंद्रित होगा। इस व्यापक विषय के अंतर्गत छह क्षेत्रों पर विशेष जोर दिया जाएगा। जिसमें विनिर्माण, सेवा, ग्रामीण गैर-कृषि, शहरी, नवीकरणीय ऊर्जा, और परिपत्र अर्थव्यवस्था को विस्तृत चर्चा के लिए चिन्हित किया गया है।

विकसित भारत के लिए अग्रणी प्रौद्योगिकी, आर्थिक विकास केंद्रों के रूप में शहरों का विकास, निवेश के लिए राज्यों में आर्थिक सुधार और मिशन कर्मयोगी के माध्यम से क्षमता निर्माण पर चार विशेष सत्र भी आयोजित किए जाएंगे। इसके अलावा कृषि में आत्मनिर्भरता, खाद्य तेल और दालें, वृद्ध आबादी की देखभाल के लिए आर्थिक मदद, पीएम सूर्य घर, मुफ्त बिजली योजना कार्यान्वयन और भारतीय ज्ञान परम्परा पर केंद्रित विचार-विमर्श किया जाएगा।

आमंत्रण

मान्यवर,

अत्यंत हर्ष का विषय है कि नगर पंचायत शिवनंदनपुर, जिला-सूरजपुर (छ.ग.) के अध्यक्ष के के बलू गोयल, उपाध्यक्ष श्यामू साहू एवं सदस्य सीती कांत स्वाई, धर्मेन्द्र गुप्ता प्रमिला साहू, मनी बग्गा, अनीता सिंह, का **शपथ ग्रहण कार्यक्रम** दिनांक 14.12.2024, शनिवार, दोपहर 1.00 बजे नगर पंचायत कार्यालय शिवनंदनपुर के प्रांगण में आयोजित है,

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि
माननीया श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े जी, (मंत्री छ.ग. शासन)
कार्यक्रम की अध्यक्षता
माननीय श्री भूलन सिंह मरावी जी (विधायक प्रेमनगर)
विशिष्ट अतिथि
माननीय श्री रामसेवक पैकरा जी (पूर्व मंत्री छ.ग. शासन)
की गरिमामयी उपस्थिति में सम्पन्न होगा।
कार्यक्रम में आपकी उपस्थिति प्रार्थनीय है।

नगर को स्वच्छ एवं सुन्दर बनाने
में सबकी सहभागिता अनिवार्य है

कार्यक्रम
दिनांक 14.12.2024, शनिवार,
समय: दोपहर 1.00 बजे से
स्थान: नगर पंचायत कार्यलय, बस स्टैण्ड शिवनंदनपुर

विनीत
सुशील तिवारी (सी.एम.ओ.)
नगर पंचायत शिवनंदनपुर
जिला - सुरजपुर

कलिंगा विश्वविद्यालय ने आईटीईएस एसएससी नैसकॉम के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किया

रायपुर (विश्व परिवार)। कलिंगा विश्वविद्यालय ने फ्यूचरस्किल्स प्राइम पाठ्यक्रमों को बढ़ावा देने और शैक्षणिक रुचि बढ़ाने के लिए आईटी - आईटीईएस एसएससी नैसकॉम, नोएडा के साथ 13 दिसंबर 2024 (शुक्रवार) को एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किया। यह समझौता दोनों संस्थानों के बीच शैक्षणिक सहयोग को बढ़ावा देने के उद्देश्य से एक औपचारिक साझेदारी की शुरुआत करेगा।

नोएडा स्थित आईटी-आईटीईएस एसएससी नैसकॉम को विशेष रूप से भारत के कार्यबल को पुन: कौशल प्रदान करने और उन्नत बनाने का कार्य सौंपा गया है, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि प्रतिभाएं नए युग के कौशल और नौकरियों के मामले में भविष्य के लिए तैयार हों। यह सहयोग छात्रों को फ्यूचरस्किल्स प्राइम पाठ्यक्रमों तक पहुंच प्रदान करेगा, जिससे उन्हें उद्योग-तैयार कौशल विकसित करने और कल के कार्यबल के लिए तैयार होने में मदद मिलेगी।

समझौता ज्ञापन पर आईटी-आईटीईएस एसएससी नैसकॉम की सीईओ डॉ. अभिलाषा गौर और कलिंगा विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. संदीप गांधी ने हस्ताक्षर किए। इस समझौता ज्ञापन का प्राथमिक उद्देश्य विद्यार्थियों को सफलता के लिए आवश्यक ज्ञान और कौशल से सशक्त बनाना है।

कलिंगा विश्वविद्यालय मध्य भारत का एक प्रतिष्ठित शैक्षणिक संस्थान है। नवाचार और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने के लिए, विश्वविद्यालय को राष्ट्रीय मूल्यांकन और प्रत्यायन परिषद (ह्रह्ररू) द्वारा क्क+ मान्यता प्रदान की गई है। यह छत्तीसगढ़ का एकमात्र निजी विश्वविद्यालय है, जो लगातार तीसरे वर्ष 2022, 2023 और 2024 के लिए शीर्ष 101-150 विश्वविद्यालयों के बैंड में एनआईआरएफ रैंकिंग में शामिल है। छात्रों को उच्च गुणवत्ता वाले बहुविषयक अनुसंधान-केंद्रित शिक्षा और कौशल विकास कार्यक्रमों के माध्यम से प्रशिक्षित किया जाता है, ताकि वैश्विक मानदंडों के अनुसार छात्रों में नवाचार पैदा किया जा सके और नेतृत्व शक्ति के विकास के साथ जिम्मेदार नागरिक की भावना विकसित की जा सके।

नगर पंचायत शिवनंदनपुर

के शपथ ग्रहण समारोह में

पधारे समस्त अतिथियों का हार्दिक अभिनंदन...

मुख्य अतिथि
श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े
मंत्री छ.ग. शासन

सौजन्य

अमित गोयल

SARGAWA THE PALACE RESORT, SARGUJA BRICKS INDUSTRIES